खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संपादक - अश्वनी वर्मा
70180-86211
prachandsamay.com

वर्ष-5, अंक-140, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

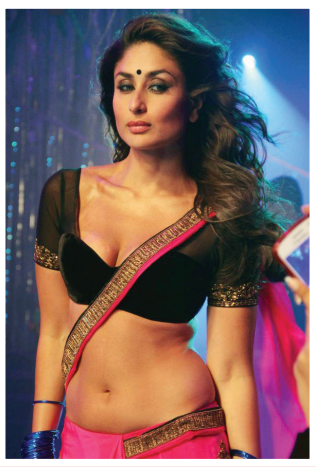

सुविचार

"अंधेरे को अंधेरे से नहीं निकाला जा सकता। नफरत को नफरत से नहीं निकाला जा सकता, केवल प्यार ही इसे निकाल सकता है।"

जंगल की सैर... पेज-8

स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों के लिए पूरी मुस्तैदी से काम... पेज-6

शिमला, शुक्रवार, 26 अप्रैल, 2024

प्रचण्ड समय स्कैंडल सीरियल

लेखक
अश्वनी वर्मा

कांग्रेस को अब चैन कहां

प्रचण्ड समय

कांग्रेसियों को अब चैन कहां। चैन आएगी भी कैसे, छह बागी सुक्खू सरकार को अस्थिरता की बेड़ियों मे जकड़कर भाजपा के हो गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने इन सभी विधायकों की विधानसभा से सदस्यता रद्द कर दी। खाली हुए इन सीटों पर चुनाव आयोग ने भी देरी न करते हुए उप चुनावों की घोषणा कर दी। तीन निर्दलीय भी भाजपा की झोली में चले गए हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है तो वे भी उच्च न्यायालय का दरबाजा खटखटाते दिखे। सुनवाई की लिए अगला दिन मंगलवार को निश्चित हुआ है। तो कांग्रेस की बेचैनी और ज्यादा बढ़ गई। कांग्रेस का एक विधायक चला गया उच्च न्यायालय तो दूसरा विधायक स्पीकर के दरबाजे चला गया। चाहते ये यही कि इनकी सदस्यता भी रद्द कर दी जाए।उनके इस्तीफे देने से तो वैसे ही ये सीटें रिक्त हो जानी हैं। महज स्पीकर के स्वीकार करने की देरी है। नहीं तो उच्च न्यायालय स्पीकर को बाध्य कर सकता है इस्तीफे स्वीकार करने के लिए। फिर इनके निष्कासन से कांग्रेस को क्या मिलने वाला है।कांग्रेस सरकार के अस्थिर होने के कारण कांग्रेस में इतनी बेचैनी नजर आ रही है कि सुक्खू सरकार अब गिरी कि अब गिरी। थोड़ा सब्र करो और अपने कुनबे को संभालों जिसमें अभी भी दरार नजर आ रही है।

कंगना कमर से नीचे वार से भी आहत नहीं

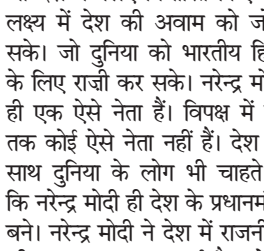

प्रचण्ड समय

कंगना पर कांग्रेस वीरों ने कमर के नीचे वार करने में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। कभी बीफ को लेकर उलझाया तो कभी उनकी अश्लील फोटो को मुद्दा बनाने की कोशिश की लेकिन इन सबके बावजूद कंगना कहीं भी विचलित नजर नहीं आ रही है। उलटा उनके प्रचार की मांग उनके मंडी ससंदीय हलके से इतर भी नजर आई और कंगना वहां अपना समय भी देती नजर आ रही है। पहले वे मंडी के अलावा कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में भी भाजपा के उम्मीदवार के लिए प्रचार कर आई। उनकी मांग राजस्थान से प्रचार के लिए आई तो वहां भी प्रचार कंगना कर आई है। अब ये फिल्म तारिका अगर भाजपा की स्टार प्रचार बन गई है तो कोई क्या कर सकता है।

डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री का भाजपा पर तंज - काम नहीं, सिर्फ मोदी के नाम पर मांगे जा रहे वोट

प्रचण्ड समय . शिमला

कांग्रेस सरकार हमेशा ही गरीबों के हित में योजनाएं लाती रही है। सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने अपने सभी वादों को निभाया है। चाहे वह ओपीएस हो या फिर महिलाओं को 1500 रुपए देने की बात। दूसरी तरफ भाजपा की सरकार सिर्फ मोदी के नाम पर वोट चाहती है। यह कहना है प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार को गिराने की मंशा कभी पूरी नहीं होगी और कांग्रेस सरकार हर हाल में पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। दरअसल डिप्टी सीएम सिरमौर के श्रीरेणुकाजी के दौरे पर शिमला संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी के साथ पहुंचे थे। उपमुख्यमंत्री ने यहां पर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने प्रदेश में विधायकों की खरीद-फरोख्त कर कांग्रेस सरारकर गिरानी चाही, परंतु ऐसा न हो सका।

इस दौरान उन्होंने शिमला संसदीय क्षेत्र से चुने गए प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी के पक्ष में वोट डालने और विनोद सुल्तानपुरी को यहां से जीतकर लोकसभा में भेजने के लिए लोगों से अपील की। उधर, शिमला संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी ने श्रीरेणुकाजी की जनता से उनका जमाई होने के नाते और पूर्व में रहे छह बार के शिमला संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी केडी सुल्तानपुरी द्वारा किए गए उनके कार्यकाल में कार्यों को देखते हुए अपनी दावेदारी से लोगों को आश्वस्त किया। वहीं, स्थानीय विधायक विनय कुमार ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एक महान योद्धा हैं। उन्होंने विनोद सुल्तानपुरी को यहां की जनता की तरफ से आश्वस्त किया कि श्रीरेणुकाजी की जनता उन्हें भारी संख्या में अपना वोट देकर विजयी बनाने की भरपूर कोशिश करेगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आनंद परमार, यशपाल चौहान, तपेंद्र चौहान, मित्र सिंह तोमर, अशोक चौहान, ओम प्रकाश, ओपी ठाकुर, श्यामा ठाकुर, आशा शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाहपुर के रजत की कामयाबी से CM सुक्खू गदगद

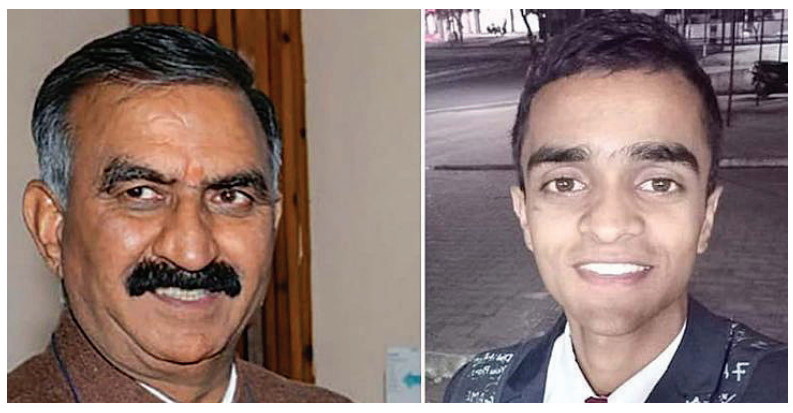

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शाहपुर निवासी रजत कुमार को देश की अति सम्मानित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (सीडीएस) में प्रथम स्थान करने पर हार्दिक बधाई दी है। श्री सुक्खू ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि रजत ने पूरे हिमाचल प्रदेश को गौरवान्वित किया है। प्रतिभाशाली युवा रजत की इस उपलब्धि से हर हिमाचलवासी गौरवान्वित है। उन्हें यह कीर्तिमान रचने पर हार्दिक बधाई। प्रदेश सरकार की ओर से रजत के स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं रजत कुमार ने सीडीएस परीक्षा में पूरे भारत में पहला स्थान पाकर प्रदेश का नाम चमकाया है। रजत ने बिना किसी कोचिंग के यह परीक्षा पास की है। गत साल रजत ने गवर्नमेंट कॉलेज शाहपुर में 82 फीसदी अंकों के साथ बीए की परीक्षा में कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया था, जिसके बाद उसे छात्रवृत्ति मिली थी।

विक्रमादित्य सिंह बोले- कंगना रणौत पहले इतिहास पढ़ लें, फिर भाषण दें

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के नाचन के चैलचौक में कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मंडी संसदीय क्षेत्र की जनता को तय करना है कि उन्हें समर्पित नेता चाहिए या अभिनेता। कहा कि वह मंडी लोकसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ने नहीं, जीतने के लिए उतरे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी घोषित होने के बाद विक्रमादित्य सिंह गुरुवार को पहली बार मंडी जिला पहुंचे। यहां उन्होंने नाचन हलके के चैलचौक में जनसभा को संबोधित किया। विक्रमादित्य ने भाजपा प्रत्याशी कंगना रणौत पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि वह पहले भारत और हिमाचल का इतिहास पढ़ लें। इसके बाद भाषण दें। कंगना मुद्दों पर बात करें, न कि व्यक्तिगत छींटाकशी पर। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर कह रहे हैं कि उन्हें जबरदस्ती टिकट देकर चुनाव लड़ाया जा रहा है।

कहा कि कांग्रेस पार्टी जो भी आदेश देती है, उसका उन्होंने और उनके परिवार ने जिम्मेवारी के साथ निर्वहन किया है। कहा कि चुनाव लड़ने के लिए उन्हें जयराम की एनओसी लेने की जरूरत नहीं है। जिस ओपीएस का तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम विरोध करते थे, आज उनकी भाषा बदल गई है। कहा कि भाजपा अगर सच में कर्मचारियों की हितैषी है तो केंद्र में फंसा कर्मचारियों का नौ हजार करोड़ वापस लाए। केंद्र ने हिमाचल की रेवेन्यू ग्रांट को 12 हजार करोड़ से घटाकर 25 सौ करोड़ कर दिया है। कहा कि वह केंद्र में भी हिमाचल के हितों को मजबूती के साथ उठाएंगे। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष व विधायक चंद्रशेखर, पूर्व मंत्री कौल सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री व कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश चौधरी व अन्य मौजूद रहे।

देश के नेतृत्व के लिए मोदी सबसे क्षमतावान नेता, देश ही नहीं दुनिया के लोग भी उन्हें चाहते हैं :जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . चंबा

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि यह चुनाव लोक सभा का चुनाव है। जो देश के लिए नेतृत्व तय करने का चुनाव है। जो नेता देश को सशक्त बना सके, विकास की नई बुलंदियों को हासिल कर सके। जो देश के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य में देश की अवाम को जोड़ सके। जो दुनिया को भारतीय हितों के लिए राज़ी कर सके। नरेन्द्र मोदी ही एक ऐसे नेता हैं। विपक्ष में दूर तक कोई ऐसे नेता नहीं हैं। देश के साथ दुनिया के लोग भी चाहते हैं कि नरेन्द्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बने। नरेन्द्र मोदी ने देश में राजनीति की अलग पहचान बनाई है। नरेन्द्र मोदी ने टाइमली डिलीवर करने की पॉलिटिक्स की शुरुआत देश में की है। जो वह कहते हैं वह निर्धारित समय में पूरी पारदर्शिता के साथ हासिल करते हैं। इस बार उन्होंने भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है। समूचा देश इस बात पर भरोसा कर रहा है कि निर्धारित समय में इस लक्ष्य को हासिल भी कर लेंगे। क्योंकि यह मोदी की गारंटी हैं। यह बातें उन्होंने चंबा के सुंडला में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहीं। उनके साथ भाजपा प्रत्याशी डॉ राजीव भारद्वाज भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि चंबा हमेशा नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता में रहेगा।

जयराम ठाकुर ने कहा कि एक तरफ़ नरेन्द्र मोदी हैं जो देश को विकसित करने के विजन के साथ आगे बढ़ रहे हैं। भारत में हर आदमी के पास, शिक्षा, आवास, रोज़गार, शौचालय, आत्मनिर्भरता, फ्री बिजली, फ्री राशन, बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतरीन सुविधाएं मिले। जबकि इंडी एलाएंस के नेता अपने परिवार का विकास सोच रहे हैं। कैसे अपने बेटे-दामाद, बहू और रिश्तेदारों को आगे बढ़ाना है, इस पर काम कर रहे हैं। गरीब और जरूरतमंद लोग ऐसे नेताओं की प्राथमिकता में कहीं है ही नहीं। देश ने विकास को चुना है और परिवारवाद को पूरी तरह नकार दिया है। दुनिया की बड़ी-बड़ी वित्तीय संस्थाएं कह रही हैं कि नरेन्द्र मोदी ने दस साल के कार्यकाल में विकास के जो काम किए हैं वह किसी मैजिक से कम नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने देश के लोगों से लूट के लिए नई योजना लाना चाह रही है। जो ज़िंदगी के साथ भी और ज़िंदगी के बाद भी चलती रहे। इसके लिए लोगों की विरासत पर भी इनकी नज़रें टेढ़ी हो गई हैं। नरेन्द्र मोदी के रहते हुए विपक्ष के लोग कामयाब नहीं हो सकते हैं, उन्होंने देश के हर गरीब आदमी से उनकी एक-एक पाई सुरक्षित रखने और उन तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचाने का वादा किया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि इसे समय कांग्रेसी के नेता चुनाव लड़ने में कोई रुचि ही नहीं दिखा रहे हैं। कांग्रेस से जिसका भी नाम मीडिया के माध्यम से भी बाहर आता है। वह भागा-भागा दिल्ली जाता है और कोई न कोई कारण देकर चुनाव लड़ने से मना कर देता है और दो-तीन नाम और सुझाकर वापस आ जाता है। जिसे लड़ने के लिए कहिए वही भागा जाता है। इससे यह साफ़ है कि कांग्रेस नेताओं को अपनी करारी हार साफ़ दिखाई दे रही है। क्योंकि हिमाचल में कांग्रेस ने डेढ़ साल की सरकार में सिर्फ़ लोगों को दुःख देने के कार्य किए हैं। इसका ख़ामियाज़ा उन्हें भुगतना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल को शीर्ष पर ले जाने के लिए बदले की राजनीति के बदले विकास की राजनीति करनी होगी। लेकिन जैसे ही कांग्रेस सरकार में आई। आते ही बदले की राजनीति शुरू कर दी, हज़ारों की संख्या में चले हुए संस्थान बंद कर दिये। अस्पताल और स्कूल जैसे संस्थान बंद कर दिये। जिससे स्कूल में जाने वाले छात्रों को कई किमी की दूरी अलग तय करनी पड़ रही है। अस्पताल जाने के लिए और मुसीबतें उठानी पड़ रही है। सरकार को बस इतना बताना चाहिए कि उन्होंने यह संस्थान क्यों बंद कर दिये आम लोगों को परेशान करके के क्या मिला। मुख्यमंत्री की इसी ताला डालो नीति के कारण जनता सड़कों पर आ गई। उनके विधायक भी मुख्यमंत्री से अपमानित होते होते थक गए और अपनी नाराज़गी ज़ाहिर करने के लिए लोकतांत्रिक तरीक़ा अपनाया। लेकिन मुख्यपृष्ठ अभी भी ख़ुद के बजाय विधायकों और भाजपा को दोष दे रहे हैं। उन्हें तो बहुमत खोने पर नैतिकता के आधार पर इस्तीफ़ा दे देना चाहिए था।

प्रचण्ड समय

अब रोजाना देखें प्रचण्ड समय का ई-पेपर
www.prachandsamay.com पर

न्यूज ब्रीफ..

भाजपा जुमलेबाज पार्टी : भूपेंद्र हुड्डा

प्रचण्ड समय

कमलेश भारतीय, हिसार . भाजपा जुमलेबाज पार्टी है और इस बार लोक सभा चुनाव में नया जुमला दिया है-चार सौ पार सीटें जीतने का जबकि दक्षिण में भाजपा साफ है और उत्तर में हाफ ही रहेगी। असल में भाजपा जुमलेबाज ही नहीं इवेंट पार्टी भी है। इसके लोकसभा चुनाव लोकतंत्र की रक्षा के लिए नहीं है तभी तो विपक्ष और खासतौर पर कांग्रेस लोकतंत्र बचाओ को मुद्दा बना कर चुनाव मैदान मे है। यह कहना है हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा विधानसभा में पचहतर पार का जुमला फेंका था और गठबंधन में सरकार बनानी पड़ी।

-कांग्रेस के हरियाणा के प्रत्याशी अभी तक घोषित क्यों नहीं हुए?

-अब सब तरह से बातचीत हो चुकी है और एक दो दिन में प्रत्याशियों की घोषणा हो जायेगी।

-हरियाणा में लोकसभा में चुनाव में क्या क्या मुद्दे उठायेंगे?

-मुद्दों की कमी नहीं है। शिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था सभी तो मुद्दे हैं!

-यह वरिष्ठ नेता अजय यादव ने क्यों कहा कि राज बब्बर को क्यों, ऋतिक रोशन, रणवीर सिंह को टिकट दे दो?

-मुझे नहीं पता। वही जानें कि ऐसा क्यों कहा?

हरियाणा में शिक्षा की हालत खस्ता,साल भर में पौने पांच लाख छात्रों ने छोड़े सरकारी स्कूल_भूपेंद्र हुड्डा

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कानून व्यवस्था, बिजली, पानी व कल्याणकारी योजनाएं कभी बीजेपी की प्राथमिकताएं नहीं रहे। प्रदेश में शिक्षण संस्थाओं की हालत पर आई ताजा रिपोर्ट ने बीजेपी के शिक्षा विरोधी चेहरे को बेनकाब कर दिया है। रिपोर्ट में पता चलता है कि प्रदेश के स्कूलों में 26000 से ज्यादा टीचर्स तो कॉलेज में 4738 सहायक प्रोफेसर्स के पद खाली हैं। कोई नया स्कूल व कॉलेज स्थापित करना तो दूर, ये सरकार पहले से स्थापित संस्थानों में अध्यापक व अन्य स्टाफ तक मुहैया नहीं करवा पाई। प्रदेश के स्कूलों में 8240 क्लासरूम की कमी है। हाई कोर्ट द्वारा फटकार लगाई जाने के बावजूद सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाए।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में ड्रॉप आउट विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सिर्फ एक साल के भीतर 4,64,000 विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिए। कॉलेजों में भी करीब 1 लाख यूजी तो 19,000 पीजी की सीटें खाली पड़ी हुई हैं। यह आंकड़े चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं कि सरकार युवाओं को शिक्षा की बजाए नशे, अपराध और पलायन के रास्ते पर धकेल रही है। मौजूदा सरकार की शिक्षा नीति युवाओं में सुरक्षित भविष्य की उम्मीद नहीं जगा पा रही। ये सरकार अपने कार्यकाल में लगभग 5000 स्कूलों को विलय के नाम पर बंद कर चुकी है। ऐसा लगता है कि अब बारी कॉलेज और विश्वविद्यालयों की है। पूर्व मुख्यमंत्री सरेआम मंच से एलान करते हैं कि स्कूलों को बंद करके वहां कोई और काम शुरू किया जाएगा। लेकिन इस सरकार को हम बता दें कि ये स्कूल व कॉलेज बीजेपी की बपौती नहीं है। वर्षों की मेहनत, लोगों की गाढ़ी कमाई के टैक्स, गांवों के दान व तमाम सरकारों के प्रयासों से ये शिक्षण संस्थान स्थापित हुए हैं। इन स्कूलों ने हरियाणा के भविष्य को दिशा देने वाले विद्यार्थी पैदा किए हैं। जनता शिक्षा के मंदिरों पर ताले लगाने की मंशा रखने वाली मानसिकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। बीजेपी को इसबार वोट की ताकत से सबक सिखाया जाएगा। जनता इसबार चुनाव में बीजेपी को सत्ता से बेदखल करने का काम करेगी।

सिरमौर की विभिन्न सड़कों के ब्लैक स्पॉट होंगे ठीक, 2.81 करोड़ का प्रारूप तैयार-सुमित खिमटा

प्रचण्ड समय . नाहन

उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा ने बताया कि सिरमौर जिला की विभिन्न सड़कों में चिहिन्त ब्लैक स्पॉट को ठीक करने के लिए 2.81 करोड़ रुपये का प्रारूप बनाया गया है जिसे स्वीकृति हेतु परिवहन विभाग को भेजा जायेगा। उन्होंने कहा जिला प्रशासन, पुलिस और लोक निर्माण विभाग द्वारा जिला की विभिन्न सड़कों के ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये हैं और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए इन ब्लैक स्पॉट को ठीक किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

उपायुक्त सिरमौर नाहन में रोड़ सेफटी समिति की जिला स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

दुर्घटना की रोकथाम के लिए वाहन चालकों को किया जायेगा जारूगता

उन्होंने कहा सिरमौर जिला में पिछले काफी समय से सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा हो रहा है जिसमें जान और माल का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जहां चालकों को जागरूक किया जाये वहीं यातायात को सुचारू बनाने के लिए मुख्य सड़कों, संपर्क मार्गों आदि सड़कों का ठीक होना भी जरूरी है।

काफी संख्या में आ रहे हैं पर्यटक

सुमित खिमटा ने कहा कि सिरमौर जिला का अधिकाशं भू-भाग पहाड़ी क्षेत्र है। जिला के विभिन्न क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा स्थानीय लोग भी इन सड़कों के माध्यम से अपने-अपने गंतव्यों तक पहुंचते हैं, ऐसे में सड़कों के रखरखाव पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए।

उपायुक्त ने नाहन शहर में यातायात को सुचारू बनाने के निर्देश भी पुलिस, लोक निर्माण विभाग और नगर परिषद को दिए। उन्होंने कहा कि नाहन शहर की प्रमुख सड़क का मुख्य भाग लोक निर्माण और राष्ट्रीय उच्च मार्ग तथा कुछ भाग नगर परिषद के पास है। उन्होंने तीनों विभागों को आपसी तालमेल से नाहन शहर में यातायात को सुचारू बनाने के लिय ठोस उपाये करने के निर्देश दिए।

नाहन शहर में यातायात सम्बन्धी चेतावनी बोर्ड लगेंगे

सुमित खिमटा ने कहा कि नाहन शहर के संभावित दुर्घटना वाले स्थलों को चिन्हित करके यहां पर सूचना बोर्ड लगाना सुनिश्चित बनाया जाये। इसी प्रकार शहर की सड़कों में यातायात सम्बन्धी चेतावनी बोर्ड, नो पार्किंग बोर्ड तथा अन्य साईनेज भी लगाय जायें ताकि पैदल चलने वाले पथिकों भी सुरक्षित अपने घरों तक पहुंच सके।

सुमित खिमटा ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को गत 2 मार्च को आयोजित बैठक में लिए गये निर्णयों की एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण आलोक जनवेजा ने विस्तार से रोड सेफटी के सम्बन्ध में किये जा रहे कार्यो पर प्रकाश डाला। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश रोल्टा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अजय पाठक, कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद संजय तोमर, राष्ट्रीय उच्च मार्ग के सहायक अभियंता अभय, सहित रोड़ सेफटी समिति के अन्य सरकारी सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

कांग्रेस का राजनीतिक एजेंडा - जनता की संपत्ति हड़प्पना : रणधीर शर्मा

प्रचण्ड समय . शिमला

भारतीय जनता पार्टी मीडिया विभाग प्रभारी व विधायक रणधीर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस गठबंधन द्वारा जारी घोषणापत्र जहाँ अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति पर आधारित है वहीं इस घोषणापत्र में कॉम्युनिस्ट और माओवाद की झलक भी दिख रही है।

कांग्रेस के घोषणापत्र में जातिगत सर्वेक्षण, जातिगत गणना और सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की भी बात की गई और घोषणा पत्र में उन्होंने कहा है कि इस सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के आधार पर हम इस देश के लोगों की संपत्ति का सर्वेक्षण करेंगे और उसका पुनर्वितरण करेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस घोषणापत्र में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की बात कही गई है। अल्पसंख्यकों को तरजीब देने की बात कही गई है। सरकारी नौकरियों में 15 प्रतिशत आरक्षण, बच्चों को विदेश में पढ़ाने के लिए विशेष छात्रवृत्ति स्कॉलरशिप की बात हो यह अल्पसंख्यकों के लिए विशेष

रूप से योजनाएं शुरू करने का घोषणा पत्र ने संकल्प लिया है। मुस्लिम लीग की विचारधारा है कि इस देश में बहुसंख्यकवाद नहीं चलेगा, लेकिन हमारे देश की विचारधारा सर्वधर्म समभाव की है।

रणधीर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सलाहकार सैम पित्रोदा ने कहा है कि अमेरिका की तरह हिंदुस्तान में भी विरासत टैक्स लगाया जा सकता है। जिसके अनुसार किसी व्यक्ति की संपत्ति वो अगली पीढ़ी को विरासत में जाएगी तो उसका 55 प्रतिशत हिसाब सरकार के पास चला जाएगा।

कांग्रेस और इंडी एलायंस वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण के नाम पर जनता की गाढ़ी कमाई, धन-दौलत, सम्पत्ति, घर, जमीन-जायदाद ज़ब्त करने की फिराक में है। जनता की पैतृक संपत्ति और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मेहनत से बनाए गए सभी संसाधनों को भी हड़पने का सपना देख रही कांग्रेस अपने मकसद को पूरा के लिए इसे पुनर्वितरण का नाम दे रही है। उन्होंने कहा कांग्रेस और इंड़ी गठबंधन के घोषणा पत्र से यह तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट झलक रही है की आम जनता की संपत्ति घर, सोना, एफडी कुछ भी सुरक्षित नहीं रहेगा यही कांग्रेस का हिडन एजेंडा है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता को अपने बुद्धि और विवेक से निर्णय करने की आवश्यकता है क्योंकि सामने दो विकल्प हैं। एक तरफ कांग्रेस और इंडी गठबंधन है जो आपकी पैतृक संपत्ति और गाढ़ी कमाई पर नज़रें गढ़ाए बैठी है और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला विकसित भारत को दृढ़ संकल्पित विकल्प है जो पहले आपको समृद्धशाली बना कर आपकी आय बढाकर आपको आत्मनिर्भर बनाकर देश को समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की राह पर पिछले दस वर्षों से लगातार अथक मेहनत कर रहा है।

नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का लिया संकल्प : बिंदल

प्रचण्ड समय . सोलन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने नाहन विधानसभा की मात्तर पंचायत के नलका-सम्भालका में स्थानीय जनता से सम्पर्क किया और केन्द्र की मोदी सरकार व प्रदेश की पूर्व भाजपा सरकार के समय में हमारे प्रयासों द्वारा इलाका में किए गए विकास कार्यों को स्मरण करवाते हुए पुनः केन्द्र में मोदी जी की सरकार बनाने के लिए जनता से सर्मथन मांगा। इस मौका पर ग्रामीणों ने फिर से मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प भी लिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर बिंदल ने कहा कि वर्तमान सरकार के कुप्रबंधन और कुशासन ने हिमाचल प्रदेश की हालत बिगाड़ दी है, आज हिमाचल प्रदेश में माफिया राज हावी है और सरकार इस माफिया को आरक्षण देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में अगर महिलाओं का अपमान किसी ने किया है तो वह केवल कांग्रेस पार्टी ने किया है और यह कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति है। महिलाओं को 1500 ना देकर और भाजपा की सांसद महिला प्रत्याशी पर निजी टिप्पणियाँ कर कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अपनी महिला विरोधी सोच उजागर की है।

बिंदल ने यह भी कहा कि निर्दलीय विधायकों ने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है क्योंकि कांग्रेस पार्टी की जो वर्तमान सरकार हिमाचल

प्रदेश में चल रही है उसमें बड़ा घुटन का माहौल है। कांग्रेस पार्टी के खुद के विधायकों के कार्य नहीं हो रहे थे जिसके चलते 6 कांग्रेस के विधायकों ने भाजपा का दामन थामा और तीन निर्दलीयों ने अपने पद से इस्तीफा दिया। कांग्रेस पार्टी के नेता केवल मात्र जनता में अपना चेहरा बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा की पिछले वित्त वर्ष में बजट प्रोवीजन के बावजूद लगभग 1200 करोड़ रुपये का सरेंडर हुआ है। यह साफ दिखता है कि सरकार का अपनी ही सरकार पर किसी भी प्रकार का कंट्रोल नहीं है, जिसके कारण योजनाएं धरातल पर नहीं उतर रही है। उल्टा चली चलाई योजनाएं बंद हो रही है, जैसे आयुष्मान भारत और हिम केयर का पैसा समय पर नहीं आने से जनता को काफी बड़ी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ..

कुलदीप विश्नोई को नायब सैनी ने मनाया,लोकसभा चुनाव प्रचार में उतरेंगे

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा के भाजपा नेता और पूर्व सांसद एवम विधायक कुलदीप विश्नोई फिर सुर्खियों में है।हाल में हिसार लोकसभा सीट से टिकट न मिलने के कारण नाराजगी के चलते सुर्खियों में आए कुलदीप विश्नोई गुरुवार सुबह तब फिर सुर्खियों में गए जबकि मुख्यमंत्री नायब सैनी विश्नोई के दिल्ली स्थित आवास पर मिलने पहुंचे।

समझा जा रहा है कि नायब सैनी नाराजगी दूर करने के लिए विश्नोई से मिलने पहुंचे।नायब सैनी नाराजगी दूर करने में कामयाब रहे।इस मुलाकात के बाद कुलदीप विश्नोई ने ऐलान किया कि लोकसभा चुनाव में वे भाजपा के लिए प्रचार करेंगे।

हिसार लोकसभा सीट से भाजपा ने रणजीत चौटाला को टिकेट दिया है। रणजीत चौटाला के चुनाव प्रचार से कुलदीप बिश्नोई ने अब तक दूरी बना रखी थी।

कुलदीप बिश्नोई खुद हिसार लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाह रहे थे। टिकट न मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद उन्होंने रणजीत चौटाला के प्रचार से भी दूरी बना ली। वह एक बार भी उनके कार्यालय नहीं गए। कुलदीप बिश्नोई के समर्थक भी उन पर लगातार कोई फैसला लेने का दबाव बना रहे थे।

इसी बीच कुलदीप विश्नोई ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा था कि सोशल मीडिया पर मेरे कांग्रेस में जाने की कुछ खबरें चल रही हैं, जो कि पूरी तरह से भ्रामक एवं निराधार है।

मैंने संघ परिवार और भारतीय जनता पार्टी का साधारण कार्यकर्त्ता बनकर काम किया है और आगे भी संघ परिवार और पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करता रहूँगा।

भाजपा ने कुलदीप विश्नोई के सामाजिक प्रभाव को देखते हुए उन्हें चुनाव प्रचार के लिए मनाया।कुलदीप का विश्नोई समाज हरियाणा और राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में खासी संख्या में है।इस कारण कुलदीप को सक्रिय किया गया।

देवेंद्र बबली भी ले सकते है सियासी करवट

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा की मनोहर सरकार में जेजेपी कोटे से ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री रहे देवेंद्र सिंह बबली सियासी करवट बदल सकते है। बबली ने एक्स पर पोस्ट डालकर सियासी संकेत दिया है।

प्रचण्ड समय

उन्होंने अपनी पोस्ट में बेड़ियों को पिघलाने का जिक्र किया है। इस पोस्ट के साथ ही सियासी गलियारों में देवेंद्र बबली के जननायक जनता पार्टी छोड़ने की चर्चाएं गर्म हो गई है।

साल 2019 में कांग्रेस की टिकट नहीं मिलने पर देवेंद्र बबली ने जजपा की टिकट पर चुनाव लड़ा।

एक लाख से भी ज्यादा वोट पाकर उन्होंने तत्कालीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला को करारी शिकस्त दी थी। बाद में जजपा कोटे से उन्हें दिसंबर 2021 में ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री बनाया गया था।

जजपा प्रदेशाध्यक्ष पहले ही छोड़ चुके पार्टी

देवेंद्र बबली के ही विधानसभा क्षेत्र टोहाना से आने वाले सरदार निशान सिंह कुछ दिन पहले ही जजपा प्रदेशाध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर पार्टी छोड़ चुके हैं।

ऐसे में अब बबली भी अगर पार्टी छोड़ देंगे तो टोहाना हलके ही नहीं बल्कि फतेहाबाद जिले में भी दुष्यंत चौटाला व उनकी पार्टी के लिए करारा झटका होगा।

इन पंक्तियों को डाला पोस्ट में...

जो तुझ से लिपटी बेड़ियां
समझ न इनको वस्त्र तू

लोकतंत्र के महापर्व में उत्साहपूर्वक चुनावी डियुटी में भाग लें अधिकारी और कर्मचारी -सलीम आजम

प्रचण्ड समय . नाहन

सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम नाहन सलीम आजम ने कहा कि लोकसभा के इस महापर्व में चुनावी डियुटी में तैतान अधिकारियों और कर्मचरियों को अपनी संवैधानिक जिम्मेवारी को गंभीरता एवं प्रसन्नतापूर्वक निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है और अधिकारी एवं कर्मचारी चुनावी डियुटी को बोझ न समझकर इसे संवैधानिक दायित्व मानकर राष्ट्रहित में चुनावी प्रक्रिया में भागीदार बनें।

एसडीएम सलीम आजम आज गुरूवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नाहन में लोकसभा चुनाव में चुनावी डियुटी के लिये नियुक्त पीठासीन अधिकारियों और सहायक पीठासीन अधिकारियों के प्रथम चुनावी पूर्वाभ्यास कार्यक्रम के अवसर पर बोल रहे थे।

इस पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में चुनाव डियुटी में तैनात अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया के संचालन, ईवीएम मशीन, चुनावी सामग्री को लेकर सम्बन्धित मतदान केन्द्रों के लिए प्रस्थान करने से लेकर मतदान के उपरांत ईवीएम मशीनों और आवश्यक दस्तावेजों को स्ट्रांग रूम में जमा करने तक की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

पीठासीन अधिकारी डायरी जरूर पढ़ें चुनाव अधिकारी

एसडीएम सलीम आजम ने कहा कि चुनावी डियुटी मे तैनात सभी अधिकारियों को ''पीठासीन अधिकारी डायरी'' को सही प्रकार से पढ़ना चाहिए क्योंकि इस डायरी में चुनाव प्रक्रिया के संचालन की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

निजी वाहन का इस्तेमाल न करें

एसडीम ने कहा कि चुनाव डियुटी में नियुक्त सभी अधिकारी इस बात को सुनिश्चित बनायें कि ईवीएम मशीन तथा अन्य चुनाव समाग्री लेकर मतदान केन्द्रों के लिए रवाना होने अथवा मतदान के उपरांत ईवीएम सहित चुनावी सामग्री को स्ट्रांग रूम तक वापिस लाने की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के निजी वाहन का प्रयोग न करें। उन्होंने कहा कि केवल प्रशासन द्वारा जीपीएस युक्त वाहनों में ही ईवीएम मशीनों तथा अन्य चुनावी सामग्री को मतदान केन्द्रों तक पहुंचाया जायेगा और इसी प्रक्रिया के तहत वापिस लाया जायेगा।

निजी घरों में न ठहरे चुनाव अधिकारी

एसडीएम ने कहा कि चुनावी डियुटी में तैनात कर्मचारियों के लिये सम्बन्धित मतदान केन्द्रों में ठहरने और भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है और किसी भी सूरत में चुनावी डियुटी में तैनात अधिकारी किसी भी निजी आवास में न ठहरे और न ही चुनावी सामग्री को निजी आवास में रखें।

उन्होंने कहा कि यद्यपि आज के इस पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में नोडल अधिकारियों ने अपने-अपने विषयों पर चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन की संपूर्ण जानकारी चुनावी डियुटी में तैनात अधिकारियों को उपलब्ध करवाई है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी को किसी विषय में अधिक जानकारी लेनी है तो वह द्वितीय चरण के पूर्वाभ्यास में अपनी शंकायें प्रकट कर सकता है।

दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों को मतदान में प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि दिव्यांग, गर्भधात्री माताओं तथा वरिष्ठ नागरिकों को मतदान प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जायेगी। इस कार्य को चुनाव अधिकारी सुनिश्चित बनाएं।

इस अवसर पर नोडल आफिसर चुनाव सामग्री अनूप कुमार और नोडल आफिसर एवं कानूनगो निर्वाचन हरि शर्मा तथा अन्य नोडल अधिकारियों ने विस्तार से चुनावी डियुटी में तैनात अधिकारियों को पूर्वाभ्यास करवाया।

इवीएम मशीन की हैंड ऑन प्रैक्टिस

इस अवसर पर चुनाव डियुटी में तैनात अधिकारियों को पूर्वाभ्यास स्थल पर ही ईवीएम मशीन की "हैंड ऑन प्रैक्टिस" भी करवाई गई।

तहसीलदार नाहन उपेन्द्र चौहान तथा निर्वाचन के लिए नियुक्त सैक्टर मैजिस्ट्रेट तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

भाजपा सांसद कश्यप ने किया शिमला के लिए रिकॉर्ड तोड़ कार्य, कांग्रेस से सर्टिफिकेट की नहीं आवश्यकता : सुरेश भारद्वाज

प्रचण्ड समय . शिमला

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा कि शिमला संसदीय क्षेत्र से वर्तमान सांसद सुरेश कश्यप ने रिकॉर्ड तोड़ सांसद निधि खर्च की है, जहां कोविड संकटकाल के समय दो साल तक सांसद निधि प्राप्त नहीं हुई थी, उसके बावजूद भी भाजपा सांसद ने 100 प्रतिशत से ज्यादा पैसा खर्च किया है।

उन्होंने कहा की कांग्रेस पार्टी केवल मात्र दुष्प्रचार में विश्वास रखती है और केवल मात्र वर्तमान सांसद की छवि खराब करने का प्रयास कर रही है। हम कांग्रेस पार्टी के नेताओं से पूछना चाहते हैं कि 6 बार के पूर्व सांसद केडी सुल्तानपुरी ने अपनी सांसद निधि को कहां-कहां खर्च किया उसका पूर्व विवरण इनको जनता के समक्ष रखना चाहिए।

उन्होंने कहा की 2019 से 2024 तक पांच साल में भाजपा सांसद ने 19 करोड़ की सांसद निधि से बढ़कर 19,30,45,875 की सांसद निधि खर्च की जो की एतिकासिक है। जैसा की विदित है हर सांसद को प्रतिवर्ष 5 करोड़ की सांसद निधि स्वीकृत होती है और इस कार्यकाल के दौरान 2 साल के लिए कोविड संकटकाल के समय सांसद निधि प्राप्त ही नहीं हुई।

उन्होंने कहा की भाजपा सांसद ने शिमला जिला में 7,26,65,000, सोलन जिला में 5,44,47,875 और सिरमौर में 6,59,33,000 की राशि स्वीकृत करी है। यानी कुल राशि 19,30,45,875 स्वीकृत हुई है। अगर हम विधानसभा क्षेत्र अनुसार बात करें तो शिमला जिला के अंतर्गत 7 विधानसभा क्षेत्र आते हैं जिसके लिए सुरेश कश्यप ने चौपाल में 98,00,000, जुब्बल कोटखाई में 1,29,25000, कसुंपटी में 1,05,15,000, रोहड़ू में 1,13,75,000, शिमला ग्रामीण में 1,30,30,000, शिमला शहरी में 58,00,000 और ठियोग में 9,22,00,000 की राशि स्वीकृत की। इसी प्रकार सोलन जिला के अंतर्गत 5 विधानसभा क्षेत्र आते हैं जिसमें अर्की में 1,43,89,000, दून में 98,50,000, कसौली में 1,12,33,875, नालागढ़ में 80,75,000 और सोलन में 1,09,00,000 को राशि स्वीकृत की। सिरमौर जिला में भी 5 विधानसभा क्षेत्र आते हैं जिसमें कश्यप ने नाहन में 1,66,53,000, पच्छाद में 1,79,50,000, पोंटा साहिब में 68,70,000, शिलाई में 1,20,10,000 और श्री रेणुका जी में 1,24,50,000 की राशि स्वीकृत की।

उन्होंने कहा की भाजपा सांसद ने मोदी सरकार की मदद से शिमला सांसद क्षेत्र में उत्तम कार्य किए है जो की अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है। आईआईएम धौलाकुआं जिला सिरमौर के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत राशि 309 करोड़ है, मेडिकल कॉलेज नहान भवन की स्वीकृत राशि 370 करोड़, रेणुका बिजली डैम की स्वीकृत राशि 6946.99 करोड़, ग्रीन कॉरिडोर एन. एच. 707 पांवटा साहिब - राजवन शिलाई हाटकोटी के लिए स्वीकृत राशि 1426 करोड़, राष्ट्रीय केंद्र रोग नियंत्रण लैब के 3 कमरे भी स्वीकृत हो चुके हैं, मेडिकल डिवाइस पार्क नालागढ़ 5000 करोड़, चंडीगढ़ बद्दी रेलवे लाइन 1540.15 करोड़, सुन्नी पावर प्रोजेक्ट 382 मेगावॉट 2614.51 करोड़, परमाणु शिमला फोरलेन 2730 करोड़, चंडीगढ़ बद्दी फोर लेन 452 करोड़, सीपेट बद्दी 46 करोड़, 54 करोड़ की लागत से प्रस्तावित ठियोग बाईपास और अनेकों काम सांसद सुरेश कश्यप की अध्यक्षता में किए गए हैं।

ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने दून व नालागढ़ में क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया

प्रवीण शर्मा . बददी

ज़िला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने आज 51-नालागढ़ व 52-दून विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के तहत विभिन्न क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया।

52-दून विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत उन्होंने राजकीय प्राथमिक पाठशाला हरिपुर संडोली में स्थापित मतदान केन्द्र 73 संडोली-1 व 74 संडोली-2 का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त 51-नालागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भाटियां में स्थापित मतदान केन्द्र 103 भाटियां-1, 104 भाटियां-2 तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला नंगल में स्थापित मतदान केन्द्र 101 नंगल का भी निरीक्षण किया।

प्रचण्ड समय

उन्होंने इन मतदान केन्द्रों पर विधानसभा क्षेत्र और मतदान केन्द्र की संख्या व नाम, मतदान केन्द्र के भवन का नाम, बूथ स्तर अधिकारी का नाम व मोबाइल नम्बर के अंकन सहित मतदान केन्द्रों में उपलब्ध करवाई जाने वाली विभिन्न सुविधाओं इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त की।

साथ ही सम्बन्धित सहायक निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर पुसिल अधीक्षक बद्दी इलमा अफ़रोज़, सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं उपमण्डलाधिकारी (ना.) नालागढ़ दिव्यांशु सिंगल, सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक कार्यकारी अधिकारी बीबीएनडीए प्रिया नागटा सहित निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

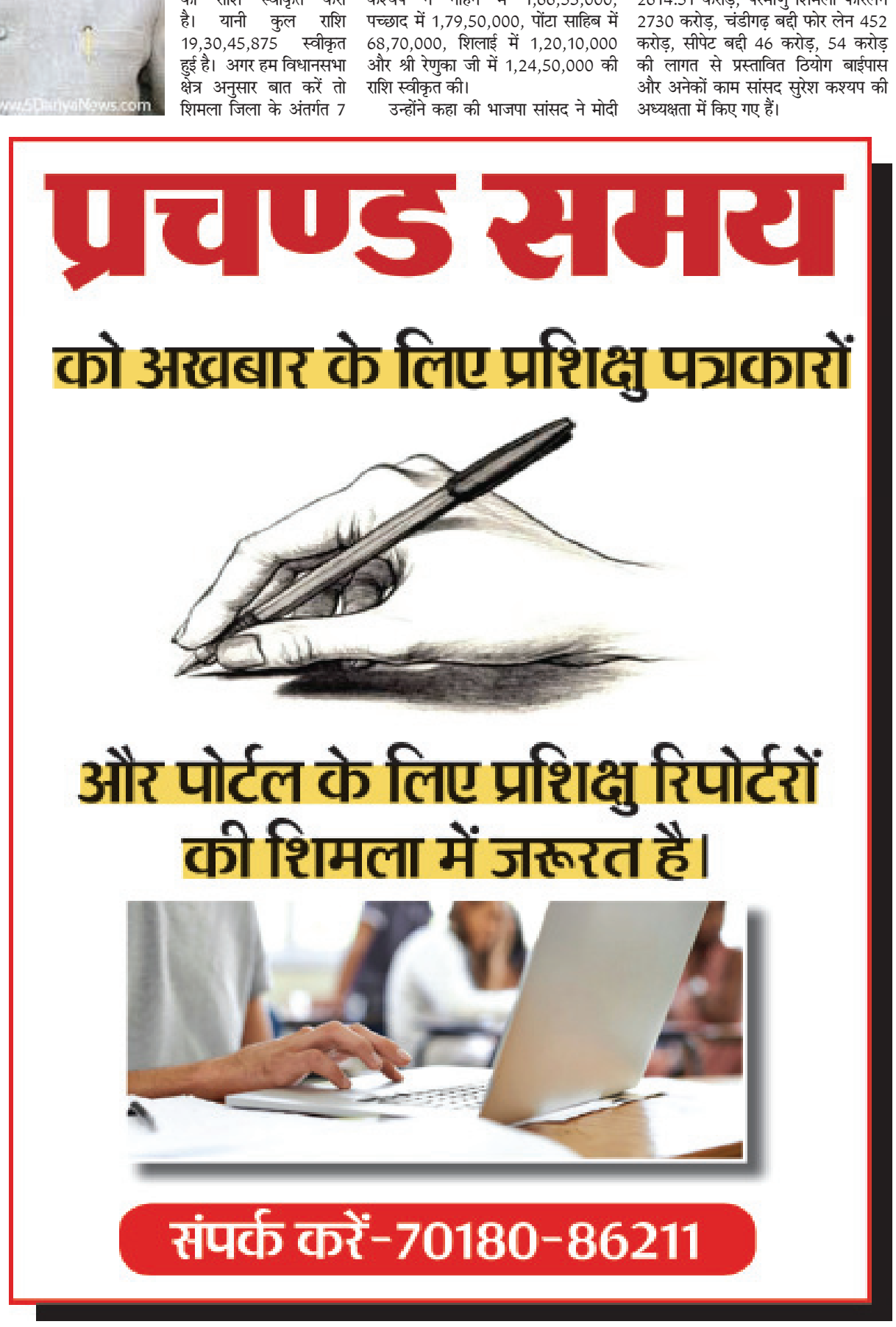

क्या चीन और रूस के कारोबारी रिश्ते बिगड़ने लगे हैं

रूसी अधिकारी और मीडिया अक्सर चीन के साथ अपने देश के आर्थिक रिश्तों की बेहतरीन तस्वीर पेश करता है।

दोनों रूस और चीन के बीच कारोबार और संयुक्त परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की पैरवी करते रहते हैं।

हालांकि अब रूसी कंपनियां ही चीन के साथ कारोबार करने में आ रही दिक्कतों की शिकायत कर रही हैं।

रूसी कंपनियां चीन के बैंकों की ओर से रोक दिए गए ट्रांजेक्शन और ताकतवर चीनी कंपनियों से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्द्धा की शिकायत कर रही हैं।

रूसी अधिकारी बताते रहे हैं कि उनका देश दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है।

ऐसा करके वो ये भी जाहिर करते हैं भले ही पश्चिमी देश रूस के ख़िलाफ़ प्रतिबंध क्यों न लगाए लेकिन चीन का साथ है तो उस पर कोई असर नहीं पड़ने वाला।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि चीन के साथ उनके देश का 'अभूतपूर्व' सहयोग है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से पश्चिमी देशों की कई कंपनियां बाहर चली गई हैं।

चीन पर लगा रूस का दांव

पुतिन चाहते हैं कि उनकी जगह चीनी कंपनियां रूस में निवेश करें। इसके लिए वो चीनी कंपनियों को प्रोत्साहन देने की नीति पर भी चल रहे हैं।

साल 2023 के आख़िर में एक इन्वेस्टमेंट फोरम में पुतिन ने चीनी कंपनियों से वादा किया था कि रूस में उनकी गतिविधियों के विस्तार में आने वाली अड़चनों को खत्म कर दिया जाएगा।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि रूस और चीन के बीच साझेदारी बढ़ रही है। दोनों के बीच 2023 में कारोबार बढ़ कर रिकॉर्ड 240 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। लेकिन अब इसमें दिक्कतें आ रही हैं।

रूस चीन को तेल और कोयले का निर्यात करता है। ये निर्यात 12।7 फीसदी बढ़ कर 129।2 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

रूस को चीन का निर्यात भी 46।9 फीसदी बढ़ कर 111 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इनमें कारें और स्मार्टफोन शामिल हैं।

चीन के कारोबार को अमेरिकी प्रतिबंधों से झटके

हालांकि रूस और चीन के कारोबारी रिश्तों में हाल में कुछ अड़चनें देखने को मिल रही हैं।

रूसी कंपनियों ने चीनी बैंक के जरिये भुगतान के लिए जाने वाले चेक बाउंस होने की शिकायतें की हैं।

रूस समर्थक दैनिक अख़बार इज़वेस्तिया ने अपने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा है कि चीन के सबसे बड़े बैंक आईसीबीसी, सिटिक बैंक, इंडस्ट्रियल बैंक और बैंक ऑफ ताइज़ू के जरिये रूस से जुड़े भुगतानों में दिक्कतें आ रही हैं।

बिजनेस अख़बार कोमरसेंट ने बाज़ार सूत्रों के हवाले से लिखा है कि ये दिक्कत उन रूसी कंपनियों को ज्यादा हो रही है जो जटिल इलेक्ट्रॉनिक सामानों जैसे सर्वर, डेटा स्टोर सिस्टम और लैपटॉप जैसी चीजों की असेंबलिंग के लिए चीनी पुर्जों का इस्तेमाल करती हैं।

भुगतान से जुड़ी ये दिक्कतें दिसंबर, 2023 के बाद शुरू हुई हैं। इसी महीने अमेरिका ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए थे। लेकिन 2024 के मार्च आते-आते स्थिति और ख़राब हो गई।

इधर, हाल में चीन ने अपने नियम-कानूनों को और कड़ा कर दिया है।

वो ये जानकारी मांग रहा है कि क्या कोई बिजनेस रूस की ओर से कब्जा किए गए यूक्रेन के किसी क्षेत्र से हो रहा है। या फिर कोई ट्रांजैक्शन रूसी सेना से तो जुड़ा हुआ नहीं है।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद रूस और चीन के बीच कारोबार बढ़ा था। लेकिन ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक़, साल 2024 के मार्च में 2023 के मार्च की तुलना में रूस को किया गया चीन का निर्यात 16 फीसदी घट गया है।

रूसी बिजनेस अख़बार आरबीसी के मुताबिक़ चीनी इलेक्ट्रिकल मशीनरी, उपकरणों और पुर्जों की डायरेक्ट डिलीवरी 15 फीसदी घट गई है।

इसी महीने चीन को रूस की ओर से किया जाने वाले कोयले का निर्यात 21 फ़ीसदी घट गया।

रूस में चीनी कंपनियों का विस्तार रोकने की मांग

हालांकि रूस के कारोबारी हलकों में ये कहा जा रहा है कि चीन के साथ रूस ने जो कारोबारी संबंध बढ़ाए हैं, उससे दिक्कतें पैदा हो रही हैं।

जैसे रूस की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी एवतोवाज़ के प्रमुख मैक्सिम सोकोलोव ने सरकार से विदेशी कारों पर टैक्स बढ़ाने को कहा है ताकि घरेलू बाज़ार में चीनी कंपनियों के विस्तार को काबू किया जा सके।

सोकोलोव रूस में चीन की कार कंपनियों का असर काफी बढ़ गया है। मौजूदा दौर में रूस की पैसेंजर कार बाजार में चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़ कर 50 फीसदी से अधिक हो गया है।

सोकोलोव कहते हैं कि सिर्फ रूसी वाहनों के बाज़ार के विकास को रोक रहा है बल्कि घरेलू वाहन और गाड़ियों के पुर्जे के मार्केट को भी स्थिर कर दिया है।

इस बीच रूसी सरकार चाह रही है कि चीनी कंपनियां रूस आकर यहां के बाजार के लिए उत्पादन करें। इनमें पैसेंजर कारें, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान और ड्रोन जैसे प्रोडक्ट शामिल हैं।

'बिजनेस करें और भावनाओं को काबू में रखें'

लेकिन इसके उलट चीनी मीडिया में रूस के साथ कारोबार करने के मामले में शिकायतें काफी कम दिखाई दे रही हैं।

रूस में चीन के राजदूत झांग हानहुई ने रूसी पेमेंट को लेकर चीन के तीन बैंकों की मनाही को किसी तीसरे देश का हस्तक्षेप करार दिया था।

उनका इशारा अमेरिकी प्रतिबंधों की धमकियों की ओर था। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक़, उन्होंने कहा था कि जल्दी ही इस समस्या का हल निकाल लिया जाएगा।

चीन के एक सरकारी मीडिया आउटलेट गुआंचा ने इस समस्या के दो हल सुझाए हैं।

पहला ये कि पेमेंट किसी तीसरे देश जैसे कज़ाकिस्तान या ताजिकिस्तान के जरिये ट्रांसफर किए जाएं।

दूसरा हल ये है कि रूस के सभी पेमेंट को प्रोसेस करने के लिए एक विशेष बैंक ही बनाया जाए जो यूरो और डॉलर का इस्तेमाल किए बगैर काम करे। जैसे ईरान को तेल के लिए पेमेंट की प्रोसेसिंग में इराक़ का इस्तेमाल किया गया था।

गुआंचा के लेख में चीनी बैंकों के कदमों का बचाव किया गया है। इसमें कहा गया है कि चीन आज भी अमेरिका के साथ 660 डॉलर और यूरोपियन यूनियन के साथ 480 अरब डॉलर का बिजनेस करता है।

जबकि रूस के साथ तो चीन का कारोबार अभी तक तो 240 अरब डॉलर तक ही पहुंचा है।

रूस में चीनी कंपनियों की कामयाबी का जश्न

गुआंचा ने लिखा है कि इस मामले में आपसी कारोबारी हितों पर ज्यादा बात होनी चाहिए। इस मामले में भावनाओं को हावी नहीं होने देना चाहिए।

चीनी मीडिया में रूस के बाज़ार में चीन की कार कंपनियों का भी जश्न मनाया जा रहा है।

मिसाल के तौर पर गुआंचा ने 17 फरवरी एक आलेख प्रकाशित किया था जिसमें कहा गया था कि रूसी उपभोक्ताओं की चीन के प्रति धारणा बदल गई है क्योंकि चीनी कंपनियां उन्हें हाई-क्वॉलिटी डिजाइन और उपकरण मुहैया करा रही हैं।

दोंगचेदी।कॉम नाम की एक ऑटोमोबाइल वेबसाइट ने अपने एक लेख में कहा गया है कि रूस के मीडिया की उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। वे चाहते हैं कि रूस को निर्यात की जाने वाली हर कार रूस में ही बने।

सीना टेक्नोलॉजी कंपनी के ऑफिशियल अकाउंट ने नए रूसी टैरिफ का ब्योरा दिया है, जिससे चीनी कारें कम से एक तिहाई महंगी हो रही हैं।

इससे कुछ चीनी कार डीलरों ने रूसी मार्केट में अपना काम बंद कर दिया है। – **साभार, बीबीसी**

राष्ट्रपति रईसी के दौरे में ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन पर बात क्यों नहीं हुई?

ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी अपने तीन दिन के पाकिस्तान दौरे के दौरान 23 अप्रैल को कराची में मौजूद थे। यहां उन्होंने पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की मज़ार पर हाज़िरी दी और पाकिस्तानी जनता से अपने 'विशेष संबंध' के बारे में बात की।

अपने दौरे के पहले दिन सोमवार को उन्होंने राष्ट्रपति आसिफ़ अली ज़रदारी, प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और आर्मी चीफ़ आसिम मुनीर से मुलाक़ात की।

इन मुलाक़ातों के दौरान उन्होंने सीमा पार आतंकवाद को रोकने के उपाय, दोनों देशों के बीच होने वाले व्यापार के आकार में वृद्धि और नए आर्थिक ज़ोन बनाने समेत आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने एक ऐसे समय में पाकिस्तान का दौरा किया जब इसराइल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है और इस महीने के दौरान दोनों देशों ने एक दूसरे पर सीधे हवाई हमले किए हैं।

याद रहे कि ईरान और इसराइल के बीच हाल के तनाव की शुरुआत इस महीने के शुरू में दमिश्क़ में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर होने वाले कथित इसराइली हमले से हुई।

इसके जवाब में ईरान की ओर से पिछले सप्ताह इसराइल पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया।

इसकी प्रतिक्रिया में शुक्रवार के दिन ईरान के शहर इस्फ़हान में कथित तौर पर इसराइल की ओर से हवाई हमला किया गया।

राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का पाकिस्तान दौरा इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इस साल जनवरी में पाकिस्तान और ईरान के संबंध में उस समय तनाव पैदा हो गया था जब दोनों देशों ने 'आतंकवादियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई' करते हुए एक-दूसरे की धरती पर मिसाइल से हमले किए थे।

अहम दौरा

ध्यान रहे कि पाकिस्तान में इस साल 8 फ़रवरी को हुए आम चुनाव के बाद किसी भी राष्ट्राध्यक्ष का पाकिस्तान का यह पहला दौरा है।

इस दौरे के अवसर पर उम्मीद की जा रही थी कि पाकिस्तान के ऊर्जा संकट को हल करने के लिए महत्वपूर्ण समझी जाने वाली ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन के भविष्य के बारे में भी चर्चा होगी।

प्रचण्ड समय

मगर ईरानी राष्ट्रपति की ओर से की जाने वाली महत्वपूर्ण मुलाक़ातों के बाद होने वाली संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस और सरकारी प्रेस रिलीज़ में इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की चर्चा ग़ायब रही।

ना तो इसके बारे में कोई बात प्रधानमंत्री भवन से जारी विज्ञप्ति में सामने आई और ना ही किसी मंत्री या सलाहकार के बयान में इसकी चर्चा हुई।

इस स्थिति के बाद इस सवाल ने जन्म लिया कि इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर ख़ामोशी की वजह क्या है? क्या पाकिस्तान कथित संभावित अमेरिकी दबाव में इस प्रोजेक्ट पर बात करने से बच रहा है या यह दोनों देशों की एक सोची समझी नीति है? और अगर इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर ही बात नहीं हो रही तो दोनों देशों को ईरानी राष्ट्रपति के इस दौरे से क्या फ़ायदा होगा?

मगर इन सवालों के जवाब पर चर्चा से पहले एक नज़र ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट पर डालते हैं।

ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट क्या है?

पाकिस्तान और ईरान के बीच साढ़े सात अरब डॉलर के गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट का उद्घाटन सन 2013 में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के शासनकाल के आख़िरी दिनों में उस समय हुआ था जब तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ़ अली ज़रदारी ने ईरान का दौरा किया था।

शुरुआत में पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से इस प्रोजेक्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए इसे पाकिस्तान के ऊर्जा संकट का हल बताया गया था।

लेकिन इस प्रोजेक्ट के उद्घाटन के कुछ ही समय बाद ईरान पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण यह प्रोजेक्ट गतिरोध का शिकार हो गया।

सन 2013 में बनी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज़) की सरकार और सन 2018 में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ के दौर में इस प्रोजेक्ट में कोई ख़ास प्रगति नहीं हुई।

लेकिन पीडीएम (पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट) सरकार के दौर में प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने इस प्रोजेक्ट पर काम के लिए जनवरी 2023 में एक कमेटी बनाई थी।

पाकिस्तान की पूर्व प्रभारी सरकार की ओर से एक साल से अधिक समय के बाद इस साल फ़रवरी में कैबिनेट कमेटी की ओर से इस प्रोजेक्ट के 80 किलोमीटर के एक हिस्से के निर्माण को मंज़ूरी दी गई।

इसके तुरंत बाद इस प्रोजेक्ट पर अमेरिका की ओर से आपत्ति जताई गई थी जिसका कारण ईरान पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध बताया गया था।

इस बारे में अमेरिका का कहना था कि ईरान के साथ प्रोजेक्ट पर काम करते हुए पाकिस्तान को भी आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

इस प्रोजेक्ट में देरी ने पाकिस्तान को पहले ही मुश्किल स्थिति में डाल रखा है क्योंकि एक तरफ़ अपने हिस्से पर पाइपलाइन बिछाने का काम न करने पर ईरान की ओर से अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के ज़रिए पाकिस्तान पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

दूसरी स्थिति में अमेरिका की ओर से पहले से कमज़ोर पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। – **साभार, बीबीसी**

पीएम मोदी के ख़िलाफ़ आचार संहिता उल्लंघन के शिकायत मामले में ये फ़ैसला दे सकता है चुनाव आयोग? - प्रेस रिव्यू

अंग्रेज़ी अख़बार द इंडियन एक्सप्रेस ने एक ख़ास रिपोर्ट की है जिसमें बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ख़िलाफ़ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के शिकायत मामले में केंद्रीय चुनाव आयोग क्या फ़ैसला सुना सकता है।

अख़बार लिखता है कि चुनाव आयोग कह सकता है कि चुनाव प्रचार से जुड़ी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राम मंदिर के उद्घाटन की बात करने को धर्म के नाम पर वोट मांगने की अपील नहीं कहा जा सकता।

चुनाव आयोग ये भी कह सकता है कि सिख आबादी वाले चुनाव क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी के सिखों के धर्मस्थलों में से एक।। करतारपुर साहिब कॉरिडोर के विकास का ज़िक्र करना और अफ़ग़ानिस्तान से सिखों के लिए पवित्र माने जाने वाले गुरु ग्रंथ साहिब का वापस लाना आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है।

अख़बार लिखता है कि उसे पता चला है कि प्रधानमंत्री के ख़िलाफ शिकायत के मामले में चुनाव आयोग ये फ़ैसले दे सकता है।

दरअसल मामला ये है कि सुप्रीम कोर्ट के वकील आनंद एस। जोनदाले ने आयोग से शिकायत की थी कि 9 अप्रैल को उत्तर प्रदेश की पीलीभीत में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने "हिंदू देवी-देवताओं और हिंदू पूजा स्थलों और सिखों के पवित्र स्थलों और सिख गुरुओं के नाम पर वोट मांगे थे।"

पीलीभीत में पीएम मोदी की रैली के एक दिन बाद, यानी 10 अप्रैल को जोनदाले ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। उनका कहना था कि ऐसा कर मोदी ने चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

ये फ़ैसला ऐसे वक्त आ सकता है जब राजस्थान के बांसवाड़ा की एक रैली में पीएम मोदी पर मुसलमानों को लेकर की गई टिप्पणी पर भी चुनाव आयोग से शिकायत की गई है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से शिकायत की है कि पीएम मोदी ने 21 अप्रैल की एक रैली में मुसलमानों की बात की और कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वो देश की संपत्ति 'घुसपैठियों' और 'ज़्यादा बच्चे पैदा करने वालों' को दे देगी।

इस मामले में अब तक चुनाव आयोग की तरफ से कोई फ़ैसला नहीं आया है।

सूत्रों के हवाले से अख़बार ने लिखा कि जोनदाले ने इस सिलसिले में दिल्ली हाई कोर्ट में शिकायत दर्ज की है जिसकी सुनवाई अगले सप्ताह हो सकती है। इससे पहले आयोग जोनदाले की शिकायत पर अपना फ़ैसला सुना सकती है।

दिल्ली हाई कोर्ट भी गया मामला

ये मामला समाज में मौजूदा भेदभाव को बढ़ाने और दो समुदायों, जाति या धर्म के लोगों के बीच नफरत और तनाव फैलाने और धर्म या समुदाय के नाम पर वोट मांगने से जुड़ा है, जिसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाता है। वहीं चुनावी प्रोपेगैंडा के लिए मंदिर, मस्जिद और चर्च जैसे पूजा स्थलों के इस्तेमाल पर भी मनाही है।

आनंद जोनदाले ने चुनाव आयोग से कहा था कि मोदी के ख़िलाफ़ 153ए के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए जो धर्म-नस्ल, जन्म स्थान, रिहाइश और भाषा के नाम पर अलग-अलग समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से जुड़ा है।

शिकायत पर चुनाव आयोग से फ़ैसला न मिलने पर आनंद ने 15 अप्रैल को दिल्ली हाई कोर्ट का रुख़ किया और कोर्ट से कहा कि उनकी शिकायत के आधार पर कोर्ट चुनाव आयोग को प्रधानमंत्री के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने का आदेश दे।

अख़बार लिखता है कि उसे पता चला है कि चुनाव आयोग ने इस मामले से जुड़ी अपनी जांच में इसे आचार संहिता का उल्लंघन नहीं माना है और फ़ैसला किया है कि पीलीभीत की रैली में मोदी केवल अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनवा रहे थे।

अख़बार लिखता है कि उसे ये पता चला है कि आयोग ने ये भी फ़ैसला किया है कि पीएम की स्पीच से दो समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने जैसा जोखिम नहीं है और चुनाव प्रचार के दौरान धर्म की ज़िक्र करना चुनाव आयोग की कार्रवाई के लिए पर्याप्त वजह नहीं है, क्योंकि इससे उम्मीदवार की चुनाव प्रचार की आज़ादी पर असर पड़ सकता है।

9 अप्रैल की रैली में पीएम मोदी ने इंडिया गठबंधन पर जमकर हमला बोला था और कहा था कि पार्टी ने अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन में हिस्सा नहीं लिया, ऐसा कर के उन्होंने भगवान राम का अपमान किया था।

पीलीभीत में सिख समुदाय की आबादी भी अच्छी खासी है। बीजेपी के लिए उनका समर्थन हासिल करने के लिए मोदी ने रैली में 1984 के दंगों का ज़िक्र किया और कांग्रेस की कथित भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने कहा था कि चुनावों में समाजवादी पार्टी 'इस पार्टी' के साथ खड़ी है।

रूसी सेना में गए भारतीय के भाई को भारतीय दूतावास ने दिया ये जवाब?

जम्मू-कश्मीर के एक युवक एजाज़ अहमद शेख़ का कहना है कि रूस में काम कर रहे उनके भाई के बारे में जानकारी पाने के लिए जब उन्होंने भारतीय दूतावास से संपर्क किया तो उन्हें रूसी अधिकारियों से संपर्क करने को कहा गया।

द हिंदू में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार एजाज़ का कहना है कि चार महीने पहले 27 साल के उनके भाई ज़हूर अहमद ख़ान को बतौर हेल्पर रूसी सेना में काम मिला था। लेकिन बीते दिनों उन्हें जबरन रूस-यूक्रेन के बीच चल रही लड़ाई में झोंक दिया गया और युद्ध के मैदान में भेज दिया गया।

उनके बारे में और जानकारी के लिए जब उन्होंने मॉस्को स्थित रूसी दूतावास से संपर्क किया तो उनसे कहा गया कि इसके लिए वो रूसी अधिकारियों के पास जाएं।

अख़बार लिखता है कि बीते साल 31 दिसंबर को आख़िरी बार एजाज़ ने ज़हूर अहमद के साथ बात की थी, उसके बाद से उनके साथ संपर्क नहीं हो सका है।

एजाज़ मे कहा, "हमने मॉस्को में भारतीय दूतावास से संपर्क किया। कुछ दिन पहले उन्होंने रूस के सरकारी अधिकारियों के फ़ोन नंबर और ईमेल आईडी भेजे। इनमें से कुछ नंबर रक्षा मंत्रालय के हैं और वो हमारे फ़ोन का जवाब नहीं दे रहे हैं।"

एजाज़ के बड़े भाई मुख़्तियार शेख़ बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स (बीएसएफ़) में काम करते थे और साल 1999 में विद्रोहियों के साथ एक मुठभेड़ में उनकी मौत हो गई थी।

विदेश मामलों के मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से अख़बार ने लिखा है कि ज़हूर के साथ दूतावास का सीधा संपर्क नहीं है लेकिन वो रूसी अधिकारियों से उन्हें छुड़ाने को लेकर बात कर रहे हैं।

एक अधिकारी ने कहा, "इस मामले को केवल विदेश मंत्रालय नहीं देख रहा है, बल्कि रक्षा मंत्रालय और सिक्योरिटी काउंसिल भी इस मामले पर नज़र रखे हुए है। जब तक ये पता नहीं चल जाता कि व्यक्ति कहां पर है और उसकी रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती दूतावास इस मामले पर काम करता रहेगा।"– **साभार, बीबीसी**

बात निकलेगी तो दूर तलक जायेगी

कमलेश भारतीय

बात निकलेगी तो दूर तलक जायेगी, एक बार मुंह से निकल गयी बात, फिर तो चहुंओर फैल ही जायेगी। अभी सैम पित्रोदा ने कांग्रेस के लिए नयी मुसीबत खड़ी कर दी, यह कह कर कि भारत में अमेरिका की तरह उत्तराधिकार के टैक्स पर चर्चा होनी चाहिए यानी जब जब कोई दस करोड़ डॉलर की सम्पत्ति वाला व्यक्ति इस दुनिया में नहीं रहता तब उसकी सम्पत्ति का 55 प्रतिशत सरकार ले ले और 45 प्रतिशत उसके बच्चों को दिया जाये। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुद्दा मिल गया और वे बोले कि कांग्रेस लूटने आ रही है। यह तो ज़िन्दगी के साथ भी और ज़िन्दगी के बाद भी आपको लूटेगी। हालांकि कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने बयान जारी कर कहा कि ये तो सैम पित्रोदा के निजी विचार हैं, कांग्रेस के नहीं। लोकतंत्र में हर किसी को निजी विचार रखने की आज़ादी है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को तो एक मुद्दा चाहिए था, जो सैम पित्रोदा ने दे दिया । यह भी मज़ेदार बात है कि हर बार पता नहीं क्यों और कैसे ये सैम पित्रोदा महाश्य भी कांग्रेस को किसी न किसी तरह फंसा देते हैं और इस बार भी अपनी भूमिका निभाने से नहीं चूके ।

प्रचण्ड समय

हर बार कांग्रेस के किसी न किसी नेता के मुंह से ऐन चुनाव के बीच कुछ ऐसी बात कह दी जाती है, जो कांग्रेस के अभियान को कमज़ोर बना देती है। जैसे एक बार कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद के दावेदार श्री मोदी को मौत के सौदागर ही कह दिया और इस बयान ने कांग्रेस को बहुत नुकसान पहुंचाया। फिर अगले चुनाव में यह कहा गया कि चाय वाला कभी देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता और इस पर बड़ी चालाकी से सारे देश में नमो टी स्टाल खोल दिये गये। अब ये सैम पित्रोदा आ गये नया शिगूफा लेकर! सम्पत्ति के उत्तराधिकारी कौन और लो इसे कैश करना शुरू कर दिया । हालांकि कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने बहुत इमोशनल करते कहा कि किस मंगलसूत्र की बात करते हो, मेरी मां ने अपना मंगल सूत्र देश को अर्पण कर दिया। इसी बात को वे पहले भी कह चुकी हैं कि भाएपा हमारे परिवार पर परिवारवाद का आरोप लगाती है लेकिन जो हमारे परिवारजनों ने देश के लिए कुर्बानियां दी हैं, उन पर क्या कहेंगे? यही नहीं कांग्रेस के मीडिया प्रकोष्ठ की ओर से प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू एक पोस्ट में यह कह रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी को कि अब तो आत्मनिर्भर हो जाओ, कब तक अपनी नाकामियां मेरे ऊपर डालते रहोगे? इस तरह बात निकलती है तो दूर तलक जाती है!

भिवानी से श्रीमती किरण चौधरी की बेटी व पूर्व सांसद श्रुति चौधरी को भी ' 'डी' हारेगा पर सफाई देनी पड़ी कि 'डी'

भाजपा प्रत्याशी धर्मवीर के लिए है न कि दान सिंह के लिए ! यह गफलत अभी चलेगी !

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।

9416047075

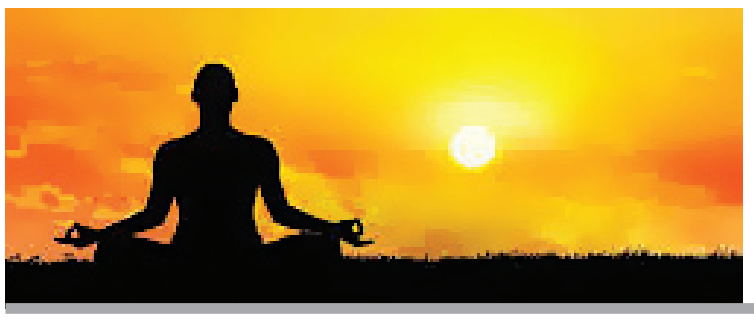

किसी की मृत्यु के बाद क्यों मुंडवाते हैं सिर? जानें क्या कहता है गरुड़ पुराण

हिंदू धर्म में धार्मिक संस्कार बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं. इंसान के जन्म से लेकर मृत्यु तक कुल 16 संस्कार किए जाते हैं. 16वां संस्कार व्यक्ति का अंतिम संस्कार होता है जिसे व्यक्ति की मृत्यु के बाद किया जाता है. व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा की शांति और आगे की यात्रा के लिए अंतिम संस्कार को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. मान्यता है कि अंतिम संस्कार के बिना व्यक्ति की आत्मा को शांति प्राप्त नहीं होती है, इसलिए अंतिम संस्कार को पूरे विधि विधान के साथ पूरा किया जाता है.

अंतिम संस्कार का ही एक हिस्सा है मुंडन संस्कार. जिस घर में किसी की मृत्यु होती है तब उसके परिवार के मुख्य पुरुषों का मुंडन करवाया जाता है. ये अंतिम संस्कार में मुख्य माना जाता है. किसी की मृत्यु होने के बाद परिवार के लोगों का मुंडन क्यों किया जाता है इसके पीछे कुछ खास मान्यताएं जुड़ी हुई हैं, आइए जानते हैं.

मृत्यु के बाद लगने वाले पातक को समाप्त करने के लिए

गरुड़ पुराण के अनुसार, हिंदू धर्म में जिस परिवार में किसी बच्चे का जन्म होता है तब बच्चे के जन्म के बाद से ही कुछ दिनों के लिए उस परिवार में सूतक लगता है. सूतक काल के दौरान घर में किसी भी तरह की धार्मिक पूजा पाठ नहीं होती है और न ही घर के मंदिर में दीपक जलता है. इसी तरह से जिस परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु होती है तब मृत्यु के बाद से ही परिवार में 13 दिन तक या मृतक की तेरहवीं तक सूतक की तरह ही पातक लगता है.

किसी की मृत्यु के बाद घर में 13 दिन तक क्यों नहीं जलाते हैं चूल्हा?

प्रचण्ड समय

पातक के दौरान मृतक के परिवार को कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है, जिनमें घर में पूजा पाठ या किसी भी तरह की धार्मिक क्रियाएं, शुभ और मांगलिक कार्यों, नए चीजें खरीदना, नए कपड़े पहनना, रसोई में खाना बनाना जैसे कामों को वर्जित माना जाता है. इन्हीं नियमों में से एक नियम मुंडन का भी होता है. परिवार के किसी सदस्य के सिर मुंडवाने की रस्म के बाद ही पातक पूरी तरह से खत्म माना जाता है.

गरुड़ पुराण के अनुसार, माना जाता है कि इंसान के बाल नकारात्मक ऊर्जा के साथ साथ आत्मा को भी आकर्षित करते हैं. कहा जाता है कि मृत्यु के बाद आत्मा मोह वश अपने परिवार के पास वापस आने का प्रयास करती है. जब तक मृत व्यक्ति का अंतिम संस्कार और 13वीं नहीं हो जाती, तब तक आत्मा अपने परिजनों के साथ संपर्क बनाने की कोशिश करती है और आत्मा का ये संपर्क परिवार के लोगों के बालों के द्वारा जुड़ता है जो की आत्मा की आगे की यात्रा में बाधक बनता है. इसीलिए आत्मा की शांति और उसकी आगे की यात्रा पर जाने के लिए परिवार वालों के साथ उसका हर तरह का संपर्क तोड़ने के लिए परिवार के लोगों का मुंडन कराए जाने की परंपरा है.

किसी की मृत्यु के बाद परिवार के लोगों का मुंडन कराने की परंपरा के पीछे एक वैज्ञानिक कारण ये भी है कि जब कोई व्यक्ति मर जाता है तो उसकी मृत्यु के तुरंत बाद बहुत से जीवाणु उसके शरीर में तेजी से बढ़ने लगते हैं जिस कारण मृतक का शरीर सड़ने लगता है.अंतिम क्रिया के दौरान भी मृत शरीर को स्पर्श किया जाता है, जिससे परिवार के लोग उन हानिकारक जीवाणुओं के संपर्क में आ जाते हैं. ये जीवाणु इंसान के बालों पर भी चिपक जाते हैं और नहाने के बाद भी ये जीवाणु बालों में चिपके रहते हैं. इसलिए जीवाणु से बचाव के लिए भी बाल कटवा दिए जाते हैं.

चंद ही दिनों में होना चाहते हैं मालामाल, तो वैशाख माह में जरूर करें ये चमत्कारी उपाय

हिंदू पंचांग के अनुसार, साल का दूसरा महीना वैशाख होता है। इस महीने में जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा भी कहा जाता है कि यह माह भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को को प्रसन्न करने के लिए बेहद खास होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस माह पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के सभी कष्ट और दुख दूर हो जाते हैं। इस बार वैशाख माह की शुरुआत 24 अप्रैल से हो चुकी है और इसका समापन अगले महीने 23 मई को होगा। माना जाता है कि इस माह में कुछ खास उपाय करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है और व्यक्ति कुछ ही दिनों में मालामाल हो सकता है। आइए जानते हैं वैशाख माह में किए जाने वाले कुछ खास उपायों के बारे में।

वैशाख महीने के उपाय

हिंदू धर्म में दान करने का विशेष महत्व है। अगर आप पापों से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो वैशाख माह में अपनी श्रद्धा अनुसार तिल, आम, सत्तू और कपड़ों का दान करें। ऐसा कहा जाता है कि इन चीजों का दान करने से पापों का नाश होता है।

प्रचण्ड समय

वैशाख माह में पड़ने वाली अक्षय तृतीया के दिन सोना या फिर चांदी की कोई चीज खरीदें। धार्मिक मान्यता है कि इस शुभ दिन पर सोना या फिर चांदी खरीदने से घर में सुख और समृद्धि का वास होता है। साथ ही देवी-देवता भी प्रसन्न होते हैं। इस दिन विवाह, सगाई, गृह प्रवेश करने से उसमें सफलता मिलती है।

वैशाख माह में बहुत ही गर्मी होती है, तो ऐसे में गरीब लोगों को चप्पल, छाता का दान करें। इसके अलावा पशु-पक्षियों के लिए खाने के लिए चीजें और पानी जरूर रखें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय से जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

इस माह में कांस्य के बर्तन में भोजन करने से और खाट पर सोने से व्यक्ति की सभी बीमारियां खत्म हो जाती हैं। वैशाख माह में गुड़ का दान करने से पितृ दोष से छुटकारा मिलता है और साथ ही आरोग्य का वरदान मिलता है।

वैशाख माह में पड़ने वाले सोमवार को भगवान शिव का विधिपूर्वक रुद्राभिषेक करें और उनकी प्रिय चीजों का भोग लगाएं। ऐसा करने से व्यक्ति को धन-धान्य की प्राप्ति होती है। साथ ही सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

शास्त्रों में वैशाख माह सभी अन्य महीनों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस महीने में भगवान विष्णु के परशुराम, नृसिंह, वराह, कूर्म और बुद्ध अवतार की पूजा की जाती है। इस माह में रोजाना 11 बार 'ॐ माधवाय नमः' मंत्र का जाप करें। ऐसा करने पर परिवार पर आने वाले सभी संकटों दूर होते हैं और घर में खुशहाली आती है।

अक्षय तृतीया पर पूजा के समय सुनें ये कथा, जीवन में बाधाओं से मिलेगी मुक्ति!

हिन्दू धर्म में अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने की परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। आज के समय में लोग किसी भी कार्य की शुरुआत सफल होने की उम्मीद के साथ करते है। अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार तृतीया तिथि 10 मई को है। इसलिए अक्षय तृतीया का पर्व 10 मई दिन शुक्रवार को मनाया जाएगा।ऐसी धार्मिक मान्यता है कि, अक्षय तृतीया के दिन कथा सुनने से लोगों को जीवन में जीने के लिए ज्यादा परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है और आने वालों कष्टों से भी छुटकारा मिलता है। इसके अलावा जीवन को आगे बढ़ाने के लिए नई राह मिलती है।

अक्षय तृतीया शुभ मुहूर्त

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 10 मई 2024 को सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर शुरू होगी और 11 मई 2024 को सुबह 2 बजकर 50 मिनट पर समाप्त होगी। इसके अलावा अक्षय तृतीया की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 10 मई को सुबह 5 बजकर 33 मिनट से दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक रहेगा।पुराणों के अनुसार, हिन्दू धर्म में अक्षय तृतीया तिथि का विशेष महत्व है, सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ इसी तिथि से हुआ था। इस दिन बिना पंचांग देखे भी शुभ कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं।

अक्षय तृतीया पूजा विधि

अक्षय तृतीया के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर साफ कपड़े पहनें और पूजा का संकल्प लें।

एक चौकी पर नारायण और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें।

इसके बाद पंचामृत और गंगाजल मिले जल से स्नान कराएं। इसके बाद चंदन और इत्र लगाएं।

फिर पुष्प, तुलसी, हल्दी या रोली लगे चावल, दीपक, धूप आदि अर्पित करें।

संभव हो तो सत्यनारायण की कथा का पाठ करें या गीता का 18वां अध्याय पढ़ें। भगवान के मंत्र का जाप करें।

इसके अलावा नैवेद्य अर्पित करें और अंत में आरती करके अपनी भूल की क्षमा याचना करें।

अक्षय तृतीया की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार शाकल नगर में धर्मदास नामक वैश्य रहता था। धर्मदास स्वभाव से आध्यात्मिक प्रकृति का था और नियमित रूप से देवताओं और ब्राह्मणों का पूजन किया करता था। एक दिन धर्मदास ने अक्षय तृतीया के दिन की महिमा और इस दिन किए गए दान के महत्व के बारे में सुना। इसके बाद उस वैश्य ने अक्षय तृतीया के दिन गंगा स्नान कर सबसे पहले अपने पितरों का तर्पण किया और उसके बाद विधि विधान से भगवान का पूजन किया और ब्राह्मणों को अन्न, सत्तू, दही, चना, गेहूं, गुड़, आदि का पूरी श्रद्धा के साथ दान दिया।

धर्मदास की पत्नी के मना करने के बावजूद वो हर बार दान जरूर करता था। कुछ समय बाद उसकी मृत्यु हो गई और उसे पुनर्जन्म में राजयोग प्राप्त हुआ और वो द्वारका के कुशावती नगर का राजा बना। माना जाता है कि ये सब उसके पिछले जन्म में किए गए दान-पुण्य और शुभ कार्यों की वजह से हुआ। अक्षय तृतीया के दिन इस कथा के सुनने से लोगों को अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

प्रचण्ड समय

अक्षय तृतीया का महत्व

अक्षय तृतीया के दिन मां लक्ष्मी की पूजा का भी विधान है। इस दिन देवी लक्ष्मी की उपासना करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। माता लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा भी जरूर करें। ऐसा करने से घर में सदैव खुशहाली बनी रहेगी। अक्षय तृतीया के दिन अबूझ मुहूर्त होता है तो इस दिन किया गया हर काम शुभ और फलदायी होता है।

न्यूज ब्रीफ..

मुख्य सचिव ने की चुनावी तैयारियों की समीक्षा

ऊना . हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने ऊना जिले में लोकसभा चुनाव तथा 2 विधानसभा उपचुनावों में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी के लिए कारगर योजना बनाने तथा उसे सटीकता से क्रियान्वित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव गुरुवार को ऊना जिले में अधिकारियों के साथ बैठक में जिले में चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने चुनावों में मतदाताओं को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने को जागरूकता गतिविधियों पर अधिक फोकस करने को कहा। उन्होंने इसमें स्वीप कार्यक्रमों के साथ-साथ जन जागरूकता में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों के उपयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सीमावर्ती जिला होने के चलते यहां निगरानी टीमों को अधिक सतर्कता और सजगता से कार्यरत रहने के निर्देश दिए। हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखने, नाके लगाने के साथ-साथ औचक निरीक्षण तथा चेकिंग अभियान को सही तालमेल से चलाने को कहा। उन्होंने यह सुनिश्चित बनाने को भी कहा कि चेकिंग अभियान से आम जनता को अनावश्यक परेशानी ना हो।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चत बनाने को कहा। उन्होंने जिले में सुरक्षा प्रबंधन, मतदान केन्द्रों पर मतदाता सुविधाओं, चुनावी कर्मियों की रिहर्सल समेत चुनाव प्रबंधन से जुड़े हर पहलू पर बारीकी से जानकारी ली तथा आवश्यक मार्गदर्शन किया।

उन्होंने मतदाताओं के बीच सी-विजिल ऐप के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा।

इस दौरान जिला निर्वाचन निर्वाचन अधिकारी जतिन लाल ने मुख्य सचिव को पीपीटी के जरिए बताया कि चुनावों के दृष्टिगत जिला में 516 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला में अब तक 4 लाख 28 हजार 589 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 2 लाख 11 हजार 684 महिला मतदाता और 2 लाख 16 हजार 901 पुरुष मतदाता और 4 तीसरे लिंग के मतदाता हैं। जतिन लाल ने बताया कि जिले 516 से 377 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि ऊना जिले में लोकसभा और गगरेट तथा कुटलैहड़ में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर सभी आवश्यक प्रबंध कर लिए गए हैं।

इस मौके पर एसपी राकेश सिंह, एडीसी महेंद्र पाल गुर्जर, सहायक आयुक्त वरिंदर शर्मा, समस्त एसडीएम, तहसीलदार निर्वाचन सुमन कपूर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाई मास्क लाईटे खराब होने से बददी शहर डूब रहा अंधेरे में- संजीव ठाकुर

बददी . दून भाजपा मंडल महामंत्री संजीव ठाकुर व जिला सचिव गुरमेल चौधरी ने कहा कि बददी शहर में किसी भी प्रकार की व्यस्था नहीं है और सब कुछ राम भरोस चल रहा है। सडक, सीवरेज, सफाई व्यवस्था दम तोड चुकी है। प्रेस मिलिए कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित हाई मास्क लाईट बंद पड़ी है। शाम होते ही पूरे बददी अंधेरे में डूब जाता है। नप के पास न तो लाईट है और न हीं इलेक्ट्रिशियन है। जिससे लोग परेशान है। जिला सचिव प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में बोल रहे थे जिसकी अध्यक्षता प्रेस क्लब के अध्यक्ष सचिन बैंसल ने की। उन्होंने कहा कि बददी के सभी चौक इन दिनों रात के समय अंधेरे में डूबे रहते है। कई बार नगर परिषद को इस बारे में अवगत कराया गया है लेकिन परिषद की ओर से कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय विधायक ने बददी को चंडीगढ़ की तर्ज पर विकसित करने की घोषणा की थी लेकिन वर्तमान में बददी शहर का हाल तो पहले से भी बेकार हो गया है। अंधेरे के चलते बच्चे व महिलांएं शाम के समय घर से बाहर निकलने में असहज महसूस कर रहे है। जिला सचिव गुरमेल चौधरी ने कहा कि सफाई का बहुत बुरा हाल है। नप ने जहां पर कूड़ादान रखे है वह भरे पड़े रहते है। लोग कूड़ेदान भरने के बाद उसके साथ ही ढेर लगाना शुरू कर देते है। इसे आवारा जानवर पूरे गलियों व बाजार में फैला रहे है। पूरा शहर गंदगी का अड्डा बना हुआ है। पुरानी सब्जी मंडी व नए सब्जी मंडी में नियमित रूप से सफाई न होने से यहां पर सड़ी गली सब्जियों के चलते गंदगी फै ली हुई है। दून भाजपा मंडल महामंत्री संजीव ठाकुर ने कहा कि फोरलेन बनने के बाद बस अड्डे को सनसिटी रोड पर शिफ्ट कर दिया है। यहां पर यात्रियों को बैठने के लिए कोई सुविधा नहीं है। शौचालय की भी यहां पर कोई व्यवस्था नहीं है। शाम होते ही यह बस अड्डा अंधेर में डूब जाता है। अब यह अड्डा से डेढ किमी दूरी पर होने से यात्रियों को अपने घर तक पहुंचने के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। टेंपू संचालक अपनी मन मर्जी से किराया वसूल रहे है। स्थानीय विधायक ने यहां पर मुद्रिका बस चलाने की बात कही थी लेकिन यह मात्र घोषणा बन कर ही रह गई है। इस मौके पर जिला इकाई के सदस्य कृष्ण कौशल भी उपस्थित रहे।

स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों के लिए पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा राज्य कर एवं आबकारी विभाग -डॉ. यूनुस

प्रचण्ड समय . ऊना

राज्य कर एवं उत्पाद शुल्क आयुक्त डॉ. यूनुस ने कहा कि हिमाचल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के दृष्टिगत किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोकने के लिए राज्य कर एवं आबकारी विभाग पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है। विभाग ने 59 उड़न दस्ते और 22 स्टैटिक दल बनाए हैं तथा प्रदेश में सभी जिलों के साथ-साथ सीमावर्ती राज्यों के आबकारी अधिकारियों व पुलिस के साथ समन्वय बनाकर अवैध शराब के कारोबार और गैर कानूनी गतिविधियों में लिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने यह जानकारी गुरुवार को ऊना जिला मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दी।

प्रदेश में पकड़ी 4 लाख लीटर अवैध शराब

डॉ. यूनुस ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान विभाग ने पड़ोसी राज्यों की टीमों व प्रदेश पुलिस की टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर लगभग 4 लाख लीटर देसी व अंग्रेजी अवैध शराब पकड़ी है। इस पकड़ में जनता का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। लोगों ने विभाग के टोल फ्री नम्बर पर सूचनाएं प्रदान की थीं, जिन पर तुरंत कार्रवाई की गई।

इसी क्रम में चुनाव आचार संहिता के लागू होने के बाद से लोगों से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने ऊना जिला में लगभग डेढ़ लाख लीटर अवैध शराब पकड़ी है, वहीं बॉटलिंग प्लांट को भी बंद कराया गया है। बॉटलिंग प्लांट में धांधलियां मिलने पर उसे सील किया गया है और संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पुलिस व आबकारी विभाग की एसआईटी गठित कर दी गई है, जोकि कार्रवाई कर रही है। अभी पिछले दिन भी कार्रवाई करते हुए जिला में लगभग 900 के करीब अवैध शराब की पेटियां जब्त की गई हैं।

शराब माफिया पर कसा शिकंजा

राज्य कर एवं उत्पाद शुल्क आयुक्त ने बताया कि गतदिवस नूरपुर के मंड क्षेत्र में काफी बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए 1 लाख लीटर से ज्यादा कच्ची व पक्की लाहन पकड़ी है तथा भट्ठियों को भी नष्ट किया गया और स्थानीय पुलिस के साथ शराब माफिया के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए शिकंजा कसा है। उन्होंने बताया कि बिलासपुर जिला की टीम ने लीड लेते हुए डेरमंजारी में अवैध शराब माफिया पर कार्रवाई की है। इस दौरान 10 हजार लीटर से ज्यादा देशी शराब पकड़ी है और हिमाचल प्रदेश उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शराब और कर चोरी के मामलों में जीरों टॉलरेंस

डॉ. यूनुस ने कहा कि प्रदेश में हर जिले में अवैध शराब व कर चोरी करने वालों पर नकेल कसने के लिए टीमें बनाई गई हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में अवैध शराब और कर चोरी के मामलों में जीरों टॉलरेंस नीति अपनाई जा रही है। ऐसे कार्य करने वालों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

50 हजार के माल का ई-वे बिल जरूरी

डॉ. यूनुस ने बताया कि 50 हजार कीमत से ज्यादा का सामान परिवहन करने पर ई-वे बिल अनिवार्य है। ईवे बिल नहीं नहीं होने की स्थिति में कानून सम्मत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

टोल फ्री नम्बर 18001808062 पर दें सूचना

राज्य कर एवं उत्पाद शुल्क आयुक्त ने बताया कि अवैध शराब व कर चोरी के मामलों की सूचना सांझा करने के लिए विभाग ने टोल फ्री नम्बर 18001808062 जारी किया है।

उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि अवैध गतिविधियों की ज्यादा से ज्यादा सूचना इस नम्बर के माध्यम से विभाग को दें ताकि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा सके। सूचना देने वाले लोगों की जानकारी गुप्त रखी जाएगी।

बिलासपुर के साहित्यकार रतन चंद निर्झर पैदल चल कर लाएंगे मतदान जागरूकता

सुमन डोगरा . बिलासपुर

जिला बिलासपुर में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले विधानसभा चुनाव में कम मतदान वाले पोलिंग स्टेशनों में लोगों को शत प्रतिशत मतदान को प्रेरित करने के लिए हिमाचल के राहुल सांकृत्यायन के नाम से मशहूर बिलासपुर के रतन चंद निर्झर पैदल यात्रा कर लोगों को 1 जून 2024 को मतदान करने के लिए जागरूक करेंगे। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त बिलासपुर आबिद हुसैन सादिक ने दी।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार को मुख्य सचिव प्रमोद सक्सेना बिलासपुर के एकदिवसीय दौरे पर होंगे और जिला में चुनाव संबंधी तैयारी की समीक्षा बैठक लेंगे इसके उपरांत मुख्य सचिव रत्नचंद निर्झर को सुबह 11.30 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।विधानसभा क्षेत्र झंडूता और विधानसभा क्षेत्र घुमारवीं के 43 पोलिंग स्टेशनों में पैदल यात्रा कर लोगों को शत प्रतिशत

मतदान का संदेश देंगे। रतन चंद निर्झर उपायुक्त कार्यालय के उपरांत लुहनु मैदान से होते हुए झंडूता विधानसभा क्षेत्र के ऋषिकेश पोलिंग स्टेशन से होते हुए बेहनाझट्टा और विजयपुर के रास्ते आगे बढ़कर 43 पोलिंग स्टेशनों की यात्रा करेंगे। उन्होंने बताया कि सभी पोलिंग स्टेशनों में बूथ स्तर के अधिकारी और और पंचायत सचिव रतन चंद निर्झर का स्वागत करेंगे।

उन्होंने बताया कि रत्न चंद निर्झर हिमाचल में शायद ही कोई ऐसा कोना होगा जहां उन्होंने पैदल यात्रा न की हो। उन्होंने लोक निर्माण विभाग में अपने 30 वर्षों से अधिक सेवा कार्यकाल के दौरान अपनी इच्छा से हिमाचल के दुर्गम क्षेत्रों में अपना अधिकतर समय बिताया है और हिमाचल के सभी दुर्गम क्षेत्रों में पैदल भी यात्रा की है।

उन्होंने बताया कि स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को शत प्रतिशत मतदान को प्रेरित करने के लिए जिला बिलासपुर में अलग-अलग प्रयास किया जा रहे हैं।

हरियाणा में कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची पर खींचतान थम नहीं रही

राजेंद्र सिंह जादौन . चंडीगढ़

अंदरूनी खींचतान में फंसी है हरियाणा में कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवारों की सूची। एक एक सीट पर घमासान चल रहा है।गुरुग्राम लोकसभा सीट से टिकट के लिए घमासान जारी है। पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव टिकट कटने की आशंका के बीच बुधवार को फिल्म अभिनेता राज बब्बर के खिलाफ मुखर हो गए। उन्होंने दिल्ली में एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर किसी अभिनेता को ही टिकट देना है तो रणबीर ऋतिक या करीना को दे देना चाहिए। उधर रोहतक सीट से दीपेंद्र हुड्डा को लड़ाने को लेकर कांग्रेस आला कमान का इरादा बदलने के संकेत मिल रहे है।आला कमान हरियाणा से राज्यसभा की एकमात्र सीट खोना नही चाहता। दीपेंद्र हुड्डा अभी हरियाणा से राज्यसभा सदस्य है। यदि वे लोकसभा के लिए चुने जाते है तो राज्यसभा की सीट छोड़नी होगी।अब रोहतक से भूपेंद्र हुड्डा,आशा हुड्डा या श्वेता मिर्धा हुड्डा को लड़ाए जाने की चर्चा है। करनाल सीट पर भूपेंद्र हुड्डा खेमा कुलदीप शर्मा या उनके पुत्र चाणक्य पंडित को टिकेट देने पर जोर दे रहा है।एसआरके गुट बुल्ले शाह या वीरेंद्र राठौर की पैरवी कर रहा है।इसी तरह अंबाला सीट से भूपेंद्र हुड्डा गुट मुलाना के विधायक वरुण चौधरी को टिकट दिए जाने के पक्ष में वही कुमारी शैलजा अपनी समर्थक विधायक रेनू बाला को टिकट दिलाना चाहती है।भिवानी महेंद्र गढ़ सीट से हुड्डा गुट महेंद्रगढ़ विधायक राव दान सिंह को टिकट दिलाना चाहता है लेकिन एसआरके गुट पूर्व सांसद श्रुति चौधरी के पक्ष में है ।

किसानों की आय दोगुनी तो नहीं हुई पर भाजपा ने दबाई एमएसपी की मांग : चंद्र कुमार

प्रचण्ड समय . शिमला

कृषि मंत्री चौधरी चंद्र कुमार ने कहा है कि पिछले दस वर्षों से केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में जुमलों की सरकार चल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों से उनकी आय को दोगुना करने का वादा किया था लेकिन यह बात जुमला सिद्ध हो चुकी है। भाजपा ने किसानों की आय को दोगुना करना तो दूर, बल्कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क़ानून बनाने की मांग कर रहे किसानों की आवाज़ को बलपूर्वक कुचलने का प्रयास किया और आंदोलन कर रहे 50 से अधिक किसानों की हत्या की गई। चौधरी चंद्र कुमार ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार

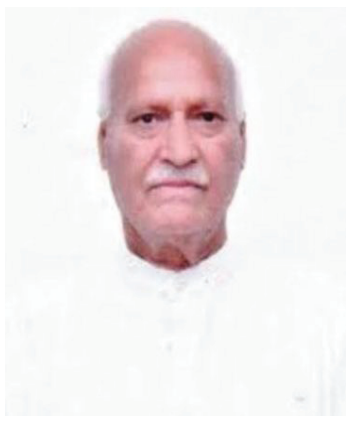

किसानों की आय बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार ने गाय के दूध में 13 रुपए की ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य 45 रुपए कर दिया है, जबकि भैंस के दूध का ख़रीद मूल्य बढ़ाकर 55 रुपए प्रति लीटर किया गया है। उन्होंने कहा कि दूध की ख़रीद पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने वाला हिमाचल प्रदेश पहला राज्य बना है। इसके साथ ही मनरेगा मज़दूरी में 60 रुपए की ऐतिहासिक बढ़ौतरी की तथा प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 40 रुपए तथा मक्की का रेट 30 रुपए तय किया गया है। उन्होंने कहा कि पशु पालकों की आय को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार जिला कांगड़ा के ढगवार में 1 लाख 50 हजार लीटर प्रतिदिन की क्षमता का दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित कर रही है, जिसकी क्षमता 3 लाख लीटर प्रतिदिन तक बढ़ाई जा सकती है। यह संयंत्र पूरी तरह से स्वचालित होगा जिस पर 226 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की जाएगी। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं की समस्या को देखते हुए वर्तमान राज्य सरकार ने निजी गौ-सदनों में आश्रित गौवंश के लिए दिए जाने वाले अनुदान 700 रुपए को बढ़ाकर 1200 किया गया है। चौधरी चंद्र कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के निरंतर प्रयास कर रही है, क्योंकि गाँव को आत्मनिर्भर बनाकर ही प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह वर्तमान राज्य सरकार की इच्छाशक्ति का प्रतीक है कि कृषि को स्वरोज़गार के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कृषि को आधुनिक तकनीक से जोड़कर किसानों की आय को बढ़ाना का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के यह सभी प्रयास किसान की आय को बढ़ाने व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

भाजपा ने दिया नारी को सम्मान कांग्रेस ने दिया धोखा

प्रचण्ड समय . शिमला

भारतीय जनता पार्टी संसदीय क्षेत्र प्रभारी एंव पूर्व मंत्री सुखराम चौधरी ने कहा कि रेणुका विधानसभा क्षेत्र के खालाक्यार में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने प्रदेश के लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नारी का सम्मान करना नहीं जानती, लेकिन प्रदेश में 15 महीने से अधिक समय कांग्रेस सरकार को बने हुए हो गया है।

कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा के चुनाव में अपनी प्रथम गारंटी में ये कहा था कि 18 साल से 60 साल की सभी महिलाओं को हम 1500 रूपये प्रति महीना देंगे। प्रदेश सराकर के सभी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर फॉर्म भरवाया, मिस कॉल करवाई और इनके कार्यकर्ताओं ने कहा कि जैसे ही सरकार बनेगी दिसंबर महीने में विदाउट एनी कंडीशन ये पेंशन मिलनी शुरू हो जाएगी, लेकिन कांग्रेस की सरकार बने 15 महीने हो गए इन्होंने दो बजट पेश कर दिए, लेकिन दोनों बजटों में इन्होंने नारी सम्मान निधि की कोई बात नहीं की। सुखराम चौधरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर कांग्रेसियों को डर हो गया हैं और बोखलाहट में यह सरकार आ गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रैस कॉन्फ्रेंस में बयान देते हुए कहा कि नारी सम्मान निधि देंगे और 13 कंडीशन उसमें लगा दी। किसी को भी पेंशन लगनी नहीं है, वो पैसे मिलने नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 15 महीने क्यों लगे? यह घोषणा करने के लिए ये हिमाचल प्रदेश की नारी शक्ति इनसे पूछना चाहती है। कांग्रेस ने विधानसभा के चुनाव में भी नारी शक्ति का अपमान किया और अब लोकसभा के चुनाव नजदीक देखकर फिर नारी शक्ति को ठगने का प्रयास कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश की नारी शक्ति इनके के बहकावे में नहीं आएगी लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस को इसका मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। भारतीय जनता पार्टी कहती नहीं करती है। 80 साल से 60 साल के सभी बुजुर्गों की पेंशन लगाने का प्रोविजन किया, 20 साल की छूट दी, भाजपा ने कोई घोषणा नहीं करी थी, कोई गारंटी नहीं दी थी। हमारा काम प्रदेश के लोगों की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश की महिलाओं को अब ठगने का काम मत करें, इस तरह की स्टेटमेंट मत दे। हिमाचल प्रदेश की नारी शक्ति से क्षमायाचना मांगे की जो वायदा किया था वो पूरा नहीं कर सके।

चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों की अक्षरश पालना सुनिश्चित करें अधिकारी ताकि मतदान प्रक्रिया पारदर्शी तथा शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो सके;- गुरसिमर सिंह सहायक रिर्टनिंग ऑफिसर

बेबाक रघुनाथ शर्मा . नूरपुर

लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिए पहली जून को होने वाले मतदान को लेकर आज वीरवार को नूरपूर विस क्षेत्र के पीठासीन, मतदान अधिकारियों सहित सेक्टर ऑफिसर्स को राजकीय आर्य डिग्री कालेज में पीपीटी के द्वारा मतदान प्रक्रिया की बारीकियाँ समझाई गईं। इसके अतिरिक्त मतदान संपन्न करवाने के लिए चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों व गाइडलाइन्स बारे अवगत करवाया गया। इस मौके पर इलेक्शन डयूटी के

लिए तैनात अधिकारियों को ईवीएम तथा वीवीपैट के संचालन की भी ट्रेनिंग दी गई।

सहायक रिर्टनिंग ऑफिसर (एसडीएम) गुरसिमर सिंह ने मतदान के लिए तैनात सभी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया सम्बन्धी सभी शंकाओं को दूर करने के लिए इस बार पीपीटी के द्वारा प्रशिक्षण देने की व्यवस्थता की गई है। उन्होंने कहा कि सभी पीठासीन अधिकारियों को चुनाव निर्देश पुस्तिका भी उपलब्ध करवाई गई है जिसमें मतदान प्रक्रिया को लेकर सभी बिंदुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। उन्होंने पीठासीन आधिकारियों को कहा कि उन्हें अपनी टीम सहित चुनाव आयोग द्वारा जारी सभी दिशानिर्देशों के अनुसार डयूटी देना सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने बताया कि दूसरी रिहर्सल 22 मई को करवाई जाएगी।

उन्होंने सभी अधिकारियों से चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों की अक्षरश पालना सुनिश्चित करने के लिए भी कहा ताकि मतदान प्रक्रिया पारदर्शी तथा शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो सके। इस दौरान उन्हें मतदान के दिन इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के इस्तेमाल, पोलिंग एजेंट्स की मौजूदगी में मॉक पोल सहित अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर तहसीलदार राधिका, नायब तहसीलदार अयूब मोहम्मद,बीडीओ अंशुल शांडिल,निर्वाचन कानूनगो रजनीश भी उपस्थित थे।

इच्छामृत्यु पर भारत में क्या है कानून... पेरू मामले के बाद शुरू हुई चर्चा

दक्षिण अमेरिका के पेरू में इच्छा मृत्यु का पहला मामला सामने आया है। 47 साल की एना एस्टर्डा ऐसा करने वाली पेरू की पहली इंसान हैं। वह पिछले 3 दशकों से मांसपेशियों से जुड़ी बीमारी पॉलिमायोसाइटिस से जूझ रही थीं। यह एक ऐसी ऑटो-इम्यून डिजीज है, जो सीधे तौर पर मांसपेशियों को कमजोर करती है। उसमें सूजन पैदा करती है। नतीजा, मरीज का चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है।

फरवरी 2021 में, यहां की एक अदालत ने स्वास्थ्य अधिकारियों को मेडिकल प्रोसीजर की मदद से एना को इच्छामृत्यु देने का आदेश दिया। जुलाई 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने भी उस फैसले को बरकरार रखा। आइए जानते हैं कि कितनी तरह की होती है इच्छामृत्यु, कैसे दी जाती है और इसको लेकर भारत और पेरू में क्या कानून है?

क्या है इच्छामृत्यु, कैसे दी जाती है?

इच्छामृत्यु का सीधा या मतलब है, इंसान की मर्जी से उसे मौत देना। यह दो तरह की होती है। पहली सक्रिय इच्छामृत्यु यानी एक्टिव यूथेनेसिया। इसमें किसी शख्स को डॉक्टर जहरीली दवा या इंजेक्शन देते हैं तो ताकि वो दम तोड़ दे। वहीं, इसके दूसरे प्रकार यानी पैसिव यूथेनेसिया में डॉक्टर मरीज का इलाज ही रोक देते हैं। उसे वेंटिलेटर से हटा दिया जाता है। दवाएं बंद कर दी जाती हैं। भारत में 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में पैसिव यूथेनेशिया को मंजूरी दी थी।

इच्छा मृत्यु ऐसे मामलों में दी जाती है, जब मरीज किसी ऐसी बीमारी से जूझ रहा होता है जिसका इलाज न हो। जिंदा रहने के लिए कष्ट उठाना पड़ रहा हो। ऐसे में मरीज या उसके परिजन इच्छा मृत्यु के लिए अपील कर सकते हैं। इसके लिए बकायदा लिखित आवेदन करना पड़ता है।

पेरू में क्या है इच्छा मृत्यु को लेकर कानून?

पेरू में इच्छामृत्यु प्रतिबंधित थी, लेकिन एना की याचिका पर कोर्ट ने इसकी अनुमति दी। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, एना बीमारी से पीड़ित थीं। वो वेंटिलेटर पर थीं। उनकी देखरेख करने के लिए 24 घंटे नर्स की जरूरत थी। यही वजह थी एना मरने के लिए आजादी चाहती थीं। कोर्ट में चली लम्बी जंग के बाद अदालत ने माना था इच्छामृत्यु की अनुमति दी जा सकती है।

ऐसा इसलिए था क्योंकि पेरू में इच्छामृत्यु प्रतिबंधित थी और इसको लेकर वहां कोई कानून नहीं था। अदालत ने एना की मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए उन्हें इच्छा मृत्यु की इजाजत दी थी।

इच्छा मृत्यु पर क्या कहता है भारत का कानून?

भारत में इसके लिए कोई तय कानून नहीं है। साल 2018 में एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। इसके साथ गाइडलाइन भी जाारी की थी। कोर्ट ने कहा था कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत इंसान को जीने के साथ मरने का अधिकार भी है। कोर्ट का यह भी कहना था कि सरकार को इस पर कानून बनाने की जरूरत है ताकि गंभीर बीमारी से परेशान मरीज शांति से मर सकें। अगर किसी शख्स के जीवन में पीड़ा ही पीड़ा हो और वो हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर हो तो यह उसके गरिमा के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन होता है।

प्रचण्ड समय

2011 में अरुणा शानबाग बनाम यूनियन ऑफ इंडिया का मामला सामने आया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इच्छामृत्यु वाली अरुणा की याचिका स्वीकार करने के बाद मेडिकल पैनल का गठन करने का आदेश दिया था, लेकिन बाद में कोर्ट ने अपना ही फैसला पलट दिया था।

आत्महत्या की कोशिश तो

भारत में आत्महत्या की कोशिश करने पर कानून है। आईपीसी की धारा 309 के तहत आत्महत्या की कोशिश करने वालों के लिए दंड का प्रावधान है। इसके लिए एक साल की सजा हो सकती है। या जुर्माना लगाया जा सकता है। या फिर दोनों लागू किए जा सकते हैं। वहीं, इच्छामृत्यु को आत्महत्या का प्रयास माना गया है।

जब मच्छरों ने हजारों सैनिकों को मौत की नींद सुलाया... विश्व युद्ध में कैसे मलेरिया ने मचाई थी तबाही? पढ़ें कहानी

एक मच्छर इंसान के लिए कितना खतरनाक हो सकता है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर साल इससे होने वाली बीमारी मलेरिया के कारण पूरी दुनिया में छह लाख से भी ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। साथ ही यह बीमारी हर साल 20 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपनी चपेट में ले लेती है। पूरी दुनिया जब एक ओर युद्ध लड़ रही थी, तो दूसरी ओर यह बीमारी भी सैनिकों और आम लोगों के लिए काल बनी हुई थी। 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस पर आइए जान लेते हैं, कैसे इस बीमारी ने विश्व युद्ध में तबाही मचाई थी।

आमतौर पर मलेरिया की पहचान सर्दी के कारण शरीर में सिहरन के साथ तेज बुखार से की जाती है, जो एक निश्चित अंतराल पर आता है। इसके लिए मादा एनाफिलीज मच्छर जिम्मेदार होती है। यह मादा मच्छर किसी को काटती है तो उसके लार के जरिए शरीर में प्लाज्मोडियम पैरासाइट (परजीवी) फैल जाते हैं। इसी पैरासाइट से मलेरिया होती है।

विश्व युद्ध के दौरान मचाई थी तबाही

दुनिया भर की सेनाएं 28 जुलाई 1914 से 11 नवंबर 1918 तक जब आमने-सामने थीं, यानी पहला विश्व युद्ध लड़ा जा रहा था, तब भी मलेरिया ने तबाही मचाई थी। इस युद्ध के कारण नौ करोड़ सैनिकों और इसके अन्य परिणामों के रूप में 1।3 करोड़ नागरिकों की भी मौत हो गई थी। इसी दौरान 1918 में फैली स्पैनिश फ्लू महामारी ने दुनिया भर में करीब 10 करोड़ लोगों की जान ले ली थी तो मलेरिया भी बड़ी संख्या में लोगों की मौत का कारण बना था।

पांच लाख से ज्यादा लोग चपेट में आए

एक सितंबर 1939 को एक बार फिर से दुनिया भर की सेनाएं सामने आ गई थीं। इसे दूसरे विश्व युद्ध के रूप में जाना जाता है, जिसमें पांच करोड़ से भी ज्यादा लोग मारे गए थे। इस दौरान तो मलेरिया का रौद्र रूप देखने को मिला था। अमेरिकी सेनाओं के लिए मलेरिया सबसे बड़ी बीमारी के रूप में सामने आई थी। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पांच लाख से ज्यादा लोग मलेरिया की चपेट में आए थे और अफ्रीका व साउथ पैसिफिक में लड़ाई के दौरान 60 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिकों की मौत मलेरिया के ही कारण हो गई थी।

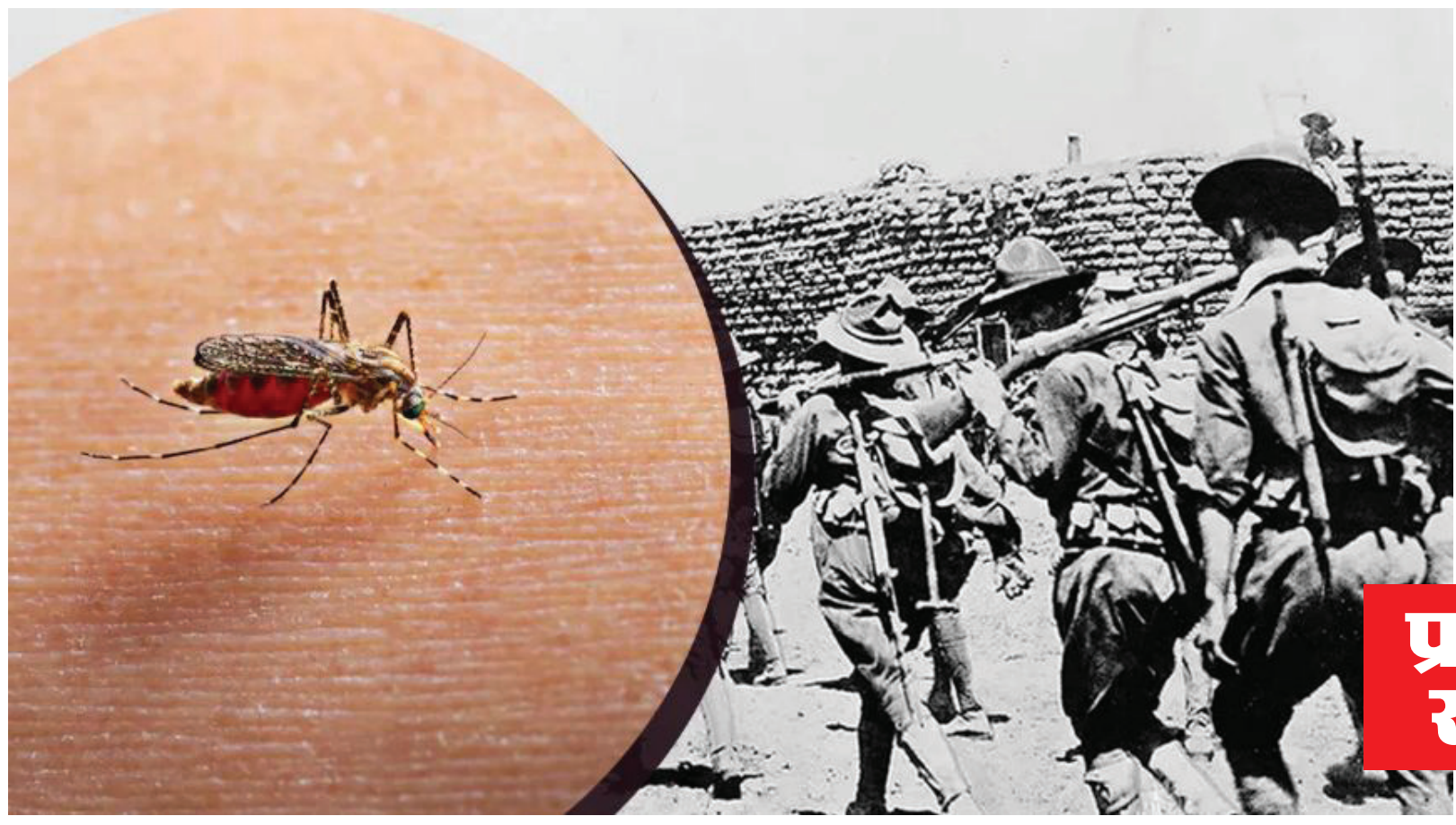

इतने सैनिकों-आम लोगों को जान गंवानी पड़ी

साउथ पैसिफिक में तो दूसरे विश्व युद्ध के दौरान घने जंगल, भीषण गर्मी, भारी बारिश के कारण हुए दलदल और कीचड़ से पनपे मच्छरों ने सैनिकों की मुसीबत और भी बढ़ा दी थी। मच्छरों के कारण सैनिक मलेरिया की चपेट में आ रहे थे और युद्ध के मैदान की स्थिति ही बदल गई थी। अकेले 1942 में अमेरिका-फिलीपींस के 75 हजार सैनिक मलेरिया की चपेट में आ गए थे। जापान के खिलाफ लड़ाई के दौरान भी बड़ी संख्या में सैनिक मलेरिया की चपेट में आए, जिनमें से 57 हजार सैनिक इसी बीमारी की वजह से जान गंवा बैठे थे। आंकड़ों की मानें तो साउथ पैसिफिक में उस वक्त तैनात 60-65 फीसदी सैनिक मलेरिया की चपेट में कभी न कभी आए थे।

अब भी दुनिया भर में मलेरिया बना रही शिकार

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में दुनिया भर के 85 देशों में मलेरिया के 249 मिलियन मामले सामने आए थे। इसमें से 6,08,000 लोगों की मौत हो गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अफ्रीकी क्षेत्र में पूरी दुनिया के मुकाबले मलेरिया के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं। साल 2022 में इसी क्षेत्र में मलेरिया के कुल मामले में से 94 फीसदी यानी 233 मिलियन मामले सामने आए थे।

कुल मौतों में से 95 फीसदी यानी 5,80,000 मौतें इसी क्षेत्र में हुई थीं। पांच साल से कम उम्र के कुल बच्चों में से 80 फीसदी इसी क्षेत्र में मौत के शिकार हुए थे।

प्रचण्ड समय

विश्व स्वास्थ्य संगठन और मलेरिया प्रभावित देशों की लाख कोशिशों के बावजूद आश्चर्यजनक रूप से 2021 के मुकाबले 2022 में मलेरिया के मामले बढ़ गए थे। 2022 में 249 मिलियन तो 2021 में 244 मिलियन केस दुनिया भर में सामने आए थे। 2021 में मौतें थोड़ी ज्यादा हुई थीं और 6,10,000 लोगों को इस बीमारी के कारण जान गंवानी पड़ी थी।

ऑफिस में लोग मुझे बुजुर्ग कहते, तंज कसते, आखिर 25 की उम्र में बदलवाने पड़े घुटने, एक युवा का दर्द

पिछले दो साल से मेरे घुटनों में दर्द रहता था। इस वजह से चलने -फिरने में थोड़ी परेशानी होती थी। दर्द जब ज्यादा बढ़ता था तो मैं मेडिकल स्टोर से जाकर दवा लेता था और उसको खा लेता था। करीब 3 महीने तक मैं ऐसा ही करता रहा, लेकिन धीरे-धीरे घुटनों का दर्द बढ़ने लगा और मुझे सीढ़ियां चढ़ने में भी परेशानी होने लगी। मैं कुछ देर भी अगर कहीं खड़ा हो जाता था तो पैरों में दर्द होने लगता था। ऑफिस में लोग मेरा मजाक उड़ाते थे कि 25 साल की उम्र में ही बुजुर्गों जैसी हालत हो गई है। घुटनों में दर्द की वजह से मैं दोस्तों के साथ कहीं घूमने -फिरने से भी बचता था, सोचता था कि उनकी तरह दौड़ भाग नहीं सकूंगा तो मजाक बनेगा।घुटनों की समस्या से मैं मानसिक रूप से भी परेशान होने लगा था।

धीरे-धीरे परेशानी ज्यादा बढ़ने लगी तो मैं घर के पास के ही एक अस्पताल में गया। जहां डॉक्टरों ने घुटनों की जांच के लिए एक्स-रे और एमआरआई किया, तो पता चला है कि घुटनों का कार्टिलेज बिलकुल घिस गया है। इस वजह से ही घुटनों में इतना दर्द रहता है औरचलने-फिरने में परेशानी हो रही थी।

प्रचण्ड समय

महज 25 साल की उम्र में घुटनों का इस तरह खराब हो जाना मेरे लिए एक बड़ा झटका था। अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि कार्टिलेज घिसने के बाद ये ठीक नहीं होता है और इसकी सर्जरी ही की जाती है। इसके लिए घुटनों का ट्रांसप्लांट कराना पड़ेगा। यह सुनकर मैं अस्पताल से वापिस चला गया, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि महज 25 साल की उम्र में ही मुझे अपने घुटने बदलवाने पड़े। इस वजह से मैने ट्रांसप्लांट नहीं कराया और फिर से दवा खानी शुरू कर दी।

कई दिनों तक मैं यही सोचता रहा कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि घुटने बिलकुल खराब हो गए है, लेकिन वजह पता नहीं चली, इस बीच मैं आसपास के डॉक्टरों को दिखाने लगा, डॉक्टरों ने इसके लिए मुझे इंजेक्शन थेरेपी भी दी, लेकिन कोई आराम नहीं मिला और हर दिन मेरा दर्द बढ़ता जा रहा था। जब पीड़ा असहनीय हो गई तो मैं फिर से अस्पताल गया और घुटनों के ट्रांसप्लांट का खर्च पूछा। इस प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टरों ने मुझे ट्रांसप्लांट का खर्च 3 लाख रुपये बताया, लेकिन इतना खर्च मेरे बजट में नहीं था। इस वजह से सर्जरी को मैंने टाल दिया और कम खर्च में इलाज कराने के विकल्प खोजने लगा।

फिर सरकारी अस्पताल गया

इस बीच एक मित्र ने सलाह दी कि सरकारी अस्पताल में काफी कम खर्च में ट्रांसप्लांट हो सकता है। इसको देखते हुए मैंने दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अपना ट्रीटमेंट शुरू कराया। वहां पहले सभी टेस्ट हुए और फिर एक महीने तक मेरा दवाई से इलाज चला। उसके बाद मुझे ट्रांसप्लांट की डेट दी गई। 2 महीने बाद ट्रांसप्लांट होना था। इससे पहले डॉक्टरों ने मेरे कई तरह के टेस्ट किए सभी टेस्ट में फिट होने के बाद ट्रांसप्लांट किया गया। अस्पताल में दोनों घुटनों के ट्रांसप्लांट का खर्च करीब डेढ़ लाख रुपये आया। ट्रांसप्लांट सर्जरी सफल रही और मेरे दोनों घुटने बदल गए।

ट्रांसप्लांट के बाद शुरू के कुछ महीने डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी और फिर धीरे धीरे घुटनों को हल्का चलाने के लिए कहा । डॉक्टरों ने मुझे एक ही जगह देर तक न बैठने की सलाह भी दी थी और इस दौरान कुछ दवाएं भी मैं खा रहा था। दर्द के लिए हिटिंग पैड भी दिया गया था। करीब 4 महीने मुझे सर्जरी के बाद की रिकवरी में लग गए। इस दौरान फिजियोथेरेपी भी कराई। डॉक्टरों की सलाह के हिसाब से रूटीन बनाया। अब मैं बिलकुल फिट हूं और ट्रांसप्लांट के बाद अपने रोजमर्रा के काम कर रहा हूं।

इस बीमारी के कारण बदले घुटने

डॉक्टरों ने बताया था कि मुझे रूमेटाइड आर्थराइटिस की बीमारी थी। इस वजह से घुटने खराब हो गए थे। बढ़ा हुआ वजन भी इसका कारण था। शुरू में मैने घुटनों के दर्द को हल्के में लिया और सालों तक खुद से दवा खाता रहा। इस वजह से घुटनों की स्थिति बिगड़ गई थी और ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ी थी। लोगों को मैं सलाह देता हूं कि अगर आपके घुटनों में दर्द रहता है और वजन भी बढ़ा हुआ है तो इसे हल्के में न लें और इलाज कराएं। अगर समय पर परेशानी का ध्यान रखेंगे तो घुटनों को खराब होने से बचा सकते हैं।

(ये कहानी है उत्तर प्रदेश के बिजनौर के रहने वाले विनोद शर्मा (बदला हुआ नाम) की, जिनको महज 25 साल की उम्र में घुटनों का ट्रांसप्लांट कराना पड़ा था)

क्यों कम उम्र में घुटने हो रहे खराब

दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में आर्थोपेडिक्स विभाग में रेजिडेंट डॉ। रहे संकल्प मेहता बातचीत में बताते हैं कि घुटने आर्थराइटिस की बीमारी के कारण खराब होते है। कुछ दशकों पहले तक ये बीमारी बुजुर्गों को होती थी। लेकिन अब 20 से 35 साल उम्र वाले भी इसका शिकार हो रहे हैं। इसका बड़ा कारण खराब खानपान है। बिगड़े हुए खानपान की वजह से मोटापा बढ़ता है तो आर्थराइटिस का एक बड़ा रिस्क फैक्टर है। लोगों में अब विटामिन डी की कमी भी देखी जा रही है। इससे भी घुटने खराब होते हैं। कार्टिलेज घिसने से घुटने खराब होते हैं। अगर एक बार ये खराब हो जाएं तो खुद से ठीक नहीं होते हैं। इसके लिए जरूरी की जरूरत पड़ती है।

जंगल की सैर पर निकलीं करीना कपूर, हिरण देख बेकाबू हुए लाडले तैमूर

प्रचण्ड समय

मूंबई. करीना कपूर खान बॉलीवुड में जिस कदर छाई रहती हैं, ठीक उसी अंदाज में उनका जलवा सोशल मीडिया पर भी देखने को मिलता है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपने फैंस का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। करीना अपनी पार्टीज से लेकर अपने ट्रेवल डेज की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उनका अंदाज और स्टाइल इनमें बिल्कुल हटके देखने को मिलता है। इन दिनों एक्ट्रेस वेकेशन पर हैं और वो भी अपने बड़े बेटे तैमूर के साथ। इसकी तस्वीरें एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।

करीना कर रहीं छुट्टियां एंजॉय

बॉलीवुड डीवा करीना कपूर खान इन दिनों अपने बेटे तैमूर के साथ तंजानिया में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। करीना ने इंस्टाग्राम पर अपने वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में करीना जंगल सफारी के लिए कार में बैठी नजर आ रही हैं। फोटो में उन्हें स्नीकर्स और धूप के चश्मे के साथ डेनिम आउटफिट में देखा जा सकता है। एक अन्य तस्वीर में तैमूर जीप में बैठे हैं और वो कुछ ही दूरी पर खड़े हिरणों को देख रहे हैं। वो हिरणों को देखकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। हालांकि, किसी भी तस्वीर में तैमूर के छोटे भाई जेह और उनके पिता सैफ अली खान नहीं दिख रहे हैं।

फैंस कर रहे तारीफ

करीना ने तस्वीरों को कैप्शन दिया, 'सवाना गर्ल एंड बॉय, तंजानिया 2024।' एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर लगातार फैंस के रिएक्शन आ रहे हैं। लोगों को उनकी ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफें कर रहे हैं। करीना कपूर के इस पोस्ट पर एक फैन ने रिएक्ट करते हुए लिखा, 'थेक्यू हमें इतने देशों के दर्शन कराने के लिए।' एक और शख्स ने लिखा, 'करीना के चेहरे पर हमेशा ही चमक रहती है।' करीना की तारीफ में एक और शख्स ने लिखा, 'ये एक अच्छी मां हैं।'

इस फिल्म में नजर आएंगी करीना

बता दें, करीना को हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'क्रू' में देखा गया था। इसमें उनके साथ तब्बू और कृति सेनन भी हैं। अब एक्ट्रेस जल्द ही मल्टी स्टारर फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमाक, अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी कर रहे हैं।

अब OTT पर होगी फूल की तलाश, जानें 'लापता लेडीज' कब और कहां हो रही रिलीज

प्रचण्ड समय

मूंबई. आमिर खान की पूर्व पत्नी किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' हाल में ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को काफी पसंद किया। फिल्म की कहानी काफी अलग और नई थी। करिण ने सालों बाद कोई फिल्म बनाई थी और लिहाजा फिल्म पसंद भी की गई। अब फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। इसकी तैयारी पुरी हो चुकी है और रिलीज डेट के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म का नाम भी सामने आ चुका है।

पहले ही फिल्म को मिला अच्छा रिएक्शन

तीन युवा कलाकारों के साथ रवि किशन की फिल्म 'लापता लेडीज' कब और कहां रिलीज हो रही है, ये आपको बताते हैं। महिला सशक्तिकरण की बात करने वाली इस फिल्म की शैली व्यंगात्मक है। हल्के-फुल्के अंदाज में ये फिल्म काफी कुछ कह जाती है। फिल्म आपको थोड़ा रुलाती और काफी हंसाती भी है। इस इमोशनल राइड को आप अब सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर भी एंजॉय कर पाएंगे। ये अब से कुछ ही घंटों बाद नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जा रही है। फिल्म को शुक्रवार, रात 12 बजे से देख पाएंगे।

कहां और कब देखें 'लापता लेडीज'

गुरुवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की तरफ से ऐलान कर दिया गया है कि 'लापता लेडीज' 26 अप्रैल को ऑनलाइन रिलीज कर दी जाएगी। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा है, 'ताजा खबरः लापका लेडीज मिल चुकी हैं। लापता लेडीज शुक्रवार रात 12 बजे से नेचफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।' इस पोस्ट पर लोगों की खूब प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। एक शख्स ने लिखा, 'ये इन दिनों की सबसे अच्छी मूवी है।'

5 साल से आध्यात्मिक यात्रा पर हैं 'अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' की हीरोइन, प्रेमानंद महाराज से बताया जीवन का दर्द

मूंबई. 'अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो' जी टीवी का हिट शो था। इस शो में रतन राजपूत बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आया करती थीं। उन्होंने कई और टीवी शोज में भी काम किया, जिनमें 'राधा की बेटियां' भी काफी पसंद किया जाने वाला शो रहा। फिर अचानक ही एक्ट्रेस ने एक्टिंग की दुनिया से दूरी बना ली, लेकिन इस बीच उनका रुझान ब्लॉगिंग की ओर बढ़ा। इसके जरिए वो फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। अब हाल में ही एक्ट्रेस का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। सामने आए इस वीडियो में एक्ट्रेस वृंदावन में प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा राज लोगों के सामने खोल कर रख दिया है। साथ ही उन्होंने प्रेमानंद महाराज से एक सवाल का जवाब भी मांगा है।

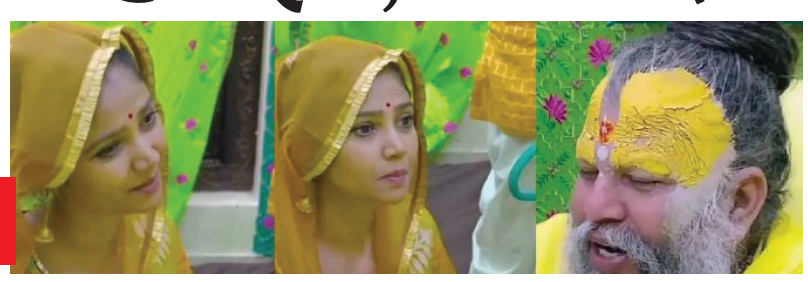

प्रचण्ड समय

आध्यात्मिक यात्रा पर रतन

सामने आए वीडियो में एक्ट्रेस ने बताया कि वो बीते पांच सालों से आध्यात्मिक यात्रा पर हैं। एक्ट्रेस प्रेमानंद महाराज से कहती हैं, 'मैं बीते पांच सालों से आध्यात्मिक यात्रा पर हूं और जब से आध्यात्मिक यात्रा पर हूं अभिनय में रुचि नहीं रही। जानना चाहती हूं कि अध्यात्म और अभिनय में एक ही स्थिति कैसे रखूं।' इसके जवाब में प्रेमानंद महाराज कहते हैं, 'जब आपको पता चल जाए कि नोट नकली हैं तो उठाने में भी रुचि नहीं रह जाती। आध्यात्म का मतलब सत्य विषय, जब हम सत्य की ओर चलते हैं तो असत्य में यानी अभिनय करने में रुचि कैसे रह जाएगी पर यहां एक बात देखने की है कि जब मुझे पता है कि मुझे सेवा करनी है, भगवान की सेवा है तो उस अभिनय में कोई दिक्कत नहीं होगी।'

इस वजह से छोड़ी थी एक्टिंग

बता दें, कुछ दिनों पहले ही एक्ट्रेस ने एक्टिंग छोड़ने की वजह दुनिया को बताई थी। हाल में दिए एक इंटरव्यू में रतन राजपूत ने खुलासा किया कि वो एक गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं, जिसकी वजह से वो लाइट बर्दाश्त ही नहीं कर पाती थीं। वो नैचुरल सन लाइट भी नहीं झेल पा रही थीं। इस वजह से वो दिन-रात काले चश्मे लगाए रहती थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें एक ऑटो इम्यून बीमारी हुई थी, जिसका असर उनकी आंखों पर रहा। फिलहाल उनकी हालत में सुधार है, लेकिन डॉक्टर्स का कहना है कि उनकी ये बीमारी लाइलाज है और पूरी तरह कभी ठीक नहीं होगी।

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।